04 - राजनीतिक विसंगतियों से बचे नई लोकसभा

05 - रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून

A Daily News Magazine

इंदौर

बुधवार, 29 मई, 2024

06- ट्रेंचिंग ग्राउंड में खतरे के मुहाने पर आधा सैकड़ा जिंदगी

07- देवास-शाजापुर लोकसभा के निज निवास में चोरी...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 221, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

प्रसंगवश

इंडिया ब्लॉक की रणनीति बिहार में एनडीए की बढ़त रोक पाएगी ?

अमिताभ तिवारी

बिहार की चुनावी लड़ाई 2024 के लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर जाएगी, जहां 1 जून को आठ सीटों पर मतदान होगा। बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं, जिसमें से बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने 2019 के चुनाव में 39 सीटें जीतकर राज्य में जीत हासिल की थी। इस बार भी एनडीए और इंडिया, दोनों गुटों ने कई बड़े और छोटे दलों को अपने गठबंधन में शामिल किया है।

एनडीए को उम्मीद है कि वह पीएम मोदी की लोकप्रियता, महिलाओं के वफादार वोट आधार और लाभार्थियों के कारण कम से कम नुकसान के साथ, अपनी बढ़त बनाए रखेगी। वहीं, इंडिया ब्लॉक को उम्मीद है कि वो जनता दल यूनाइटेड के प्रमुख और राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की लोकप्रियता में गिरावट, मौजूदा सांसदों और मोदी सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर और महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों की वजह से एनडीए के पिछले बार की सफलता में महत्वपूर्ण सेंध लगाने में कामयाब होगी।

छठे चरण तक, बीजेपी ने 2019 में 278 सीटें जीती थीं। कुछ राज्यों में हार की चर्चा के बीच, 7वां चरण पार्टी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में 2024 में बिहार, पार्टी के लिए अपना नंबर (सांसदों की संख्या) मजबूत करने की कुंजी है। तेजस्वी यादव राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), कांग्रेस पार्टी, वामपंथी दलों और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं। दूसरी ओर, नरेंद्र मोदी बीजेपी, जेडीयू, लोक जनशक्ति पार्टी, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं। नीतीश कुमार के यू-टर्न ने एनडीए को बढ़त दे दी है, अन्यथा सर्वे भारी नुकसान की भविष्यवाणी कर रहे थे। तेजस्वी यादव ने 2020 के विधानसभा चुनावों में एनडीए को एक कड़ी टक्कर दी, और नीतीश को लगभग 37 प्रतिशत के बराबर वोट शेयर के साथ हरा दिया। इस चुनाव में एनडीए 125 और महागठबंधन 110 सीट जीतने में सफल हुई थी। यदि कांग्रेस ने अपनी सीटों पर थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया होता तो महागठबंधन चुनाव जीत जाता।

बिहार की राजनीति में जाति अहम भूमिका निभाती है। 40 लोकसभा सीटों में से 17 पर, पिछले तीन चुनावों- 2009, 2014 और 2019 में एक ही जाति के उम्मीदवार ने सीट जीती है। इनमें से आठ सीटें ऊंची जाति के उम्मीदवारों ने जीती हैं, और चार सीटें राजपूतों (महाराजगंज, आरा, वैशाली और औरंगाबाद) ने जीती हैं। नीतीश ने जाति जनगणना कराई, जिसमें पता चला कि चला कि ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) 27 प्रतिशत, ईबीसी (अत्यंत पिछड़ा वर्ग) 36 प्रतिशत, एससी (अनुसूचित जाति) 20 प्रतिशत, एसटी (अनुसूचित जनजाति) दो प्रतिशत और सामान्य वर्ग की आबादी 15 प्रतिशत हैं। दोनो पक्षों के पास निश्चित वोट बैंक है और लड़ाई ईबीसी/ओबीसी वोट के लिए है, जो आबादी का 60 फीसदी से अधिक है।

एनडीए को उच्च जातियों (ब्राह्मण, बनिया, राजपूत), कुर्मी/कोइरी समुदाय (सीएम और डिप्टी सीएम का जाति समूह), और महादलित और दलित (चिराग पासवान और एलजेपी) का समर्थन प्राप्त है, जिसकी आबादी लगभग 40 प्रतिशत है। चिराग पासवान के पास दुसाध समुदाय का भी समर्थन हैं, जबकि जीतन राम मांझी मुसहर समुदाय से आते हैं।

दूसरी ओर, इंडिया ब्लॉक को मुसलमानों और यादवों (32 प्रतिशत) का समर्थन प्राप्त है। सीपीआई (एमएल) के पास दलित और ईबीसी का समर्थन है, जबकि वीआईपी का मल्लाहों में प्रभाव है। कांग्रेस अपने उच्च जाति के मतदाताओ के एक वर्ग को वापस लुभाने का प्रयास कर रही है।

ओबीसी/ईबीसी वोटरों को लुभाने के लिए इंडिया ब्लॉक ने समुदाय से 23 उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जो उसके कुल टिकटों का लगभग 60 प्रतिशत है, जबकि एनडीए ने 19 ऐसे समुदायों को टिकट दिया है। मुसलमानों और दलितों को छह-छह टिकट दिए गए हैं, जबकि सामान्य वर्ग/उच्च जाति के उम्मीदवारों को पांच टिकट दिए गए हैं। 16 ओबीसी उम्मीदवारों में से 9 यादव समुदाय से हैं।

दूसरी ओर एनडीए ने अपने मुख्य वोटिंग आधार सामान्य वर्ग को सबसे अधिक 14 टिकट दिए हैं। 19 टिकट ओबीसी/ईबीसी उम्मीदवारों को, छह टिकट दलितों को और एक टिकट मुस्लिमों को (जेडीयू द्वारा) दिए गए हैं। बीजेपी ने सामान्य वर्ग से 10 को टिकट दिए हैं। जिनमें पांच राजपूत, दो भूमिहार, दो ब्राह्मण और एक कायस्थ उम्मीदवार है।

जहां इंडिया ब्लॉक ने 57.5 प्रतिशत ओबीसी/ईबीसी उम्मीदवारों को टिकट दिया है, वहीं एनडीए ने इस समुदाय को 47.5 प्रतिशत टिकट दिए हैं। एनडीए ने 35 फीसदी ऊंची जाति के उम्मीदवारों को टिकट दिया है, वहीं इंडिया ब्लॉक ने सिर्फ 12.5 फीसदी को टिकट दिया है।

इंडिया ब्लॉक की नजर स्पष्ट रूप से ओबीसी/ईबीसी वोट पर है। 2019 के लोकसभा चुनाव में, जहां एनडीए को ओबीसी वोट का 71 प्रतिशत मिला, वहीं इंडिया ब्लॉक (उस समय संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन/महागठबंधन) को केवल 13 प्रतिशत समर्थन मिल सका, 2020 के विधानसभा चुनावों में, एनडीए का समर्थन घटकर 58 प्रतिशत (-13 प्रतिशत) हो गया, जबकि इंडिया ब्लॉक को 18 प्रतिशत (प्लस पांच प्रतिशत) प्राप्त हुआ। अन्य को 24 प्रतिशत वोट मिले और इंडिया गुट को उम्मीद है कि 2024 में मुकाबला दो पक्षीय हो जाने पर वह इन मतदाताओं को अपने पक्ष में कर लेगा।

आरजेडी गंभीर रूप से अपने मुस्लिम-यादव वोट बैंक का विस्तार करने और गठबंधन से ओबीसी और ईबीसी को अधिक टिकट देकर, केवल उन दो समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टी की अपनी छवि को खत्म करने का प्रयास कर रही है। तेजस्वी यादव ने अक्सर कहा है कि आरजेडी बाप - B (बहुजन), A (अगड़ी), A (आधी आबादी, यानी महिला) और P (गरीब) का प्रतिनिधित्व करता है। आरजेडी, जो 2019 के लोकसभा चुनावों में अपना खाता भी नहीं खोल सकी, बिहार में एनडीए की संख्या में सेंध लगाने के लिए एक नई रणनीति की कोशिश कर रही है, जहां उसने पिछले चुनावों में सबसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। यह सफल होगा या नहीं यह तो समय ही बताएगा।

(दि क्विंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

चार जून के बाद भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई होगी और तेज

- पीएम मोदी बोले-जमीन हड़पने के लिए माता-पिता का नाम बदला
- घुसपैठियों के कारण आदिवासी बेटियों की सुरक्षा खतरे में

दुमका (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी नेता खुलेआम, बेशर्मी के साथ धमकी दे रहे हैं। वो कह रहे हैं कि मोदी को हटाना है, ताकि उनको फिर से घोटाले करने का मौका मिल सके। पीएम ने कहा- जेएमएम और कांग्रेस झारखंड को हर तरह से लूट रहे हैं। यहां इतने खूबसूरत पहाड़ है, लेकिन झारखंड की चर्चा नोटों के पहाड़ के लिए हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा-% जेएमएम और कांग्रेस वालों के यहां नोटों के पहाड़ पकड़े जा रहे हैं। आप जानते हैं, ये पैसा कहां से आ रहा है? ये पैसा आ रहा है शराब के घोटाले से, ये पैसा आ रहा है करोड़ों रुपयों के टेंडर के घोटाले से, ये पैसा आ रहा है खान-खनिज-खनन घोटाले से।% उन्होंने कहा कि 4 जून के बाद भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई और तेज होगी। प्रधानमंत्री मंगलवार को दुमका एयरपोर्ट मैदान में बीजेपी प्रत्याशी सीता सोरेन के पक्ष में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पीएम मोदी ने कहा- %इन लोगों ने जमीनें हड़पने के लिए अपने माता-पिता का नाम बदल दिया। अब गरीबों और आदिवासियों की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। इन लोगों ने तो सेना की जमीन को भी लूट लिया। आपको झारखंड को इन लोगों से मुक्ति दिलानी ही होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- 'इंडी गठबंधन के लिए सिर्फ अपना वोट बैंक जरूरी है। उसे आदिवासी समाज के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। जहां-जहां ये लोग सत्ता में आए, आदिवासी समाज और संस्कृति खतरे में पड़ गई। आदिवासियों के खिलाफ इनके हथियार हैं - नक्सलवाद, घुसपैठ और तुष्टीकरण!'

- **इंडी गठबंधन की देशविरोधी राजनीति का एक खतरनाक फॉर्मूला-** प्रधानमंत्री ने कहा- 'इंडी गठबंधन की देशविरोधी राजनीति का एक खतरनाक फॉर्मूला है। इनका फॉर्मूला है- घोर सांप्रदायिक राजनीति करो, घोर तुष्टीकरण की राजनीति करो, अलगाववादियों को संरक्षण दो, आतंकवादियों का बचाव करो और जो उसका विरोध करे, उस पर हिन्दू-मुसलमान करने का आरोप लगा दो। बीजेपी दलित, वंचित और आदिवासियों के लिए समर्पित है, समर्पण और सेवा भाव से काम करती है। हमने आदिवासी कल्याण के लिए 4 गुणा से ज्यादा बजट बढ़ाया। हम जनजातीय इलाके में 400 से ज्यादा एकलव्य आवासीय विद्यालय बना रहे हैं। आदिवासी इलाकों में खनिज का पैसा आपके बच्चों के लिए खर्च हो, हमने इसके लिए कानून बनाया। हमारी सरकार भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाती है।
- **10 साल में घोटालों पर अंकुश लगा-** प्रधानमंत्री ने कहा- %2014 में आपने मोदी को आशीर्वाद दिया था। तब पूरा देश कांग्रेस के कुशासन से तंग आ चुका था। रोज-रोज घोटाले होते थे, कांग्रेस गरीबों के नाम पर पैसे लूटने में 24 गुणा 7 लगी हुई थी। मोदी ने आकर वो सब बंद कर दिया। जनता का पैसा आज जनता के हित में इस्तेमाल हो रहा है।% पीएम ने कहा- %संताल की ये धरती क्रांति की धरती है। ये देश के लिए जीने-मरने वालों की धरती है। इस धरती पर ये जनसैलाब और इतनी बड़ी संख्या में माताएं-बहनें हमें आशीर्वाद देने आई हैं। आपके आशीर्वाद ने ये पक्का कर दिया है।%

रेत उत्खनन में अवैध रूप से लगी मशीनों को तत्काल जप्त किया जाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- प्रत्येक चार माह में क्षेत्रीय स्तर पर इन्वेस्टर समिट आयोजित की जाएं
- प्रदेश में नए रेल रूट और एक्सप्रेस-वे के लिए प्रस्ताव तैयार करें
- जल स्त्रोतों को उपयोगी बनाने के लिए अभियान चलाए
- मुख्यमंत्री ने की संभागीय बैठकों में हुए निर्णयों के क्रियान्वयन की समीक्षा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में रेत उत्खनन नियमानुसार हो, उत्खनन में अवैध रूप से लगाई गई मशीनों को तत्काल जप्त किया जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मंत्रालय में हुई उच्च स्तरीय बैठक में दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में हुए निर्णयों के पालन की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर सचिव सामान्य प्रशासन श्री विनोद कुमार, श्री जे.एन कंसोटिया, श्री राजेश राजौरा श्री मनु श्रीवास्तव, श्री अजीत केसरी, श्री मलय श्रीवास्तव, श्री के.सी. गुप्ता उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक चार माह में प्रदेश में क्षेत्रीय स्तर पर इन्वेस्टर समिट आयोजित की जाएं। उन्होंने उज्जैन में हुई समिट के बाद जबलपुर प्रस्तावित इन्वेस्टर समिट की तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संभागीय बैठकों के परिणाम स्वरूप हुए विकास कार्यों तथा अन्य जनकल्याणकारी गतिविधियों पर केंद्रित संभाग स्तरीय बुकलेट प्रकाशित कराई जाए। बैठक में इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, नर्मदापुरम्, रीवा और उज्जैन संभाग की बैठक में लिए गए निर्णय के क्रियान्वयन पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्यावरण दिवस 5 जून से प्रारंभ हो रहे जल संरक्षण अभियान को लेकर की बैठक ली। इस बैठक में निर्देश दिए हैं कि जल सम्मेलन का आयोजन किया जाए।, जल संरचनाओं के अतिक्रमण और जल स्त्रोतों को उपयोगी बनाने के लिए अभियान चलाए जाए। साथ ही शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी सार्वजनिक प्याऊ संचालित हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आम आदमी को राहत, प्रदेश में विकास की प्रक्रिया को गति देने, जनसामान्य की समस्याओं को कम करने, प्रशासनिक और विभागीय दक्षता व क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से तहसील, विकासखंड, जिलों और संभाग की सीमाओं का पुर्ननिर्धारण किया जाना है। इस प्रक्रिया में जन भावनाओं और जनप्रतिनिधियों के विचारों को अवश्य शामिल किया जाए।

सुप्रभात

तप रई लाल अबा सी
धरती हांपन लगीं चिरइयां
जेठ मास में अबकी
जानें का होने है गुंइयां
लूघर लगी लपट मारत है
हन कें खूब तमाचे
डरे निबरिया के नीचें हम
आल्हा कब नौ बांचे
उपने चलें बताओ कैसें,
नेंचें बिछी ततूरी
ईंटें कैसें ढोयें,
बोलो कैसें करें मजूरी
आग बुझा रये हम तो
भैया पी कें निन्ने पानी
मोड़ी मोड़ा मांगत घर में
भोरई सें गुड़ धानी
सांसें ऊपर-नैचें हो रई
अब धमका के मारें
चौंपे फिर रये भूके-प्यासे
खूब फसूकर डारें।

- राकेश अचल

इंदौर में क्या दो नए चुनावी रिकॉर्ड बनेंगे!

इंदौर में राजनीतिक सन्नाटा है। इसलिए कि इस सीट पर कोई मुकाबला ही नहीं है। इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार ने न सिर्फ चुनाव से पलायन किया, बल्कि अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता भी बदल ली। इसके बावजूद उम्मीद के विपरीत यहां मतदान संतोषजनक हुआ। अब उत्सुकता दो आंकड़ों को लेकर बची है। पहली, यह कि बीजेपी उम्मीदवार अपने निकटतम उम्मीदवार से कितने अंतर से चुनाव जीतता है। दूसरी उत्सुकता 'नोटा' के खाते में जाने वाले वोटों को लेकर है। कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों ही मामलों में इंदौर रिकॉर्ड बनाएगा।

टिप्पणी

हेमंत पाल

लेखक 'सुबह सवेरे' इंदौर के स्थानीय संपादक है।

देश में मध्यप्रदेश की इंदौर संसदीय सीट का नतीजा क्या होगा, इससे कोई अनजान नहीं है। यही वजह है कि यहां न तो कोई उत्सुकता है और न इंतजार। जब पूरे देश में चुनावी चर्चा चरम पर रही, इंदौर में राजनीतिक सन्नाटा रहा। इसलिए कि इस सीट पर कोई मुकाबला ही नहीं है। इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार ने न सिर्फ चुनाव से पलायन किया, बल्कि अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता भी बदल ली। इसके बावजूद उम्मीद के विपरीत यहां मतदान संतोषजनक हुआ। अब उत्सुकता दो आंकड़ों को लेकर बची है। पहली तो यह कि बीजेपी उम्मीदवार अपने निकटतम उम्मीदवार से कितने अंतर से चुनाव जीतता है। दूसरी उत्सुकता 'नोटा' के खाते में जाने वाले वोटों को लेकर है। कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों ही मामलों में इंदौर रिकॉर्ड बनाएगा। क्योंकि, रिकॉर्ड बनाना और कुछ नया करना इंदौर वासियों आदत रही है।

इंदौर एक संभावनाशील शहर है, जो हमेशा कुछ नया करने की कोशिश में रहता है। स्वच्छता में लगातार सात बार देश में अव्वल रहने के बाद शुद्ध हवा के मामले में भी शहर ने रिकॉर्ड बनाया। यहां की आबोहवा को जीवन के लिए बेहतर माना गया और यहां की हवा की शुद्धता उत्कृष्ट रही। देश के स्मार्ट शहरों में भी इंदौर का नाम चमका। यहां स्मार्ट शहर की दिशा में जो काम हुआ, उसे देश में सराहा गया। जहां तक खानपान की बात है, तो इंदौर से ज्यादा बेहतर खानपान देश के शायद किसी और शहर में होगा। ये शहर भौगोलिक रूप से देश के मध्य में स्थित है, इसलिए यहां चारों दिशाओं की संस्कृति और खानपान का असर है। यहां ठेठ मालवी खाना भी पसंद किया जाता है और राजस्थानी और पंजाबी भी।

ये ऐसा शहर है जो सबको आत्मसात कर लेता है। इसलिए यहां इंदौर के मूल निवासियों के अलावा राजस्थान के लोग भी मिलेंगे, महाराष्ट्र के भी उत्तर प्रदेश के साथ पंजाब के भी। दक्षिण भारत के लोगों की भी बहुतायत है। बिहारियों की भी यहां बड़ी तादाद है। अब यह शहर चुनाव के इतिहास में भी देश में अपना नाम बनाने जा रहा है। भले ही यह एक संभावना हो, लेकिन जो दिखाई दे रहा और समझा जा रहा, उससे इंकार नहीं किया जा सकता। मुद्दा यह है कि इस बार इंदौर 'नोटा' में भी रिकॉर्ड बनाएगा। बीजेपी का उम्मीदवार रिकार्ड मतों से चुनाव जीतेगा, इसलिए कि यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार ने एन वक्त पर अपना नाम वापस ले लिया था। ऐसी स्थिति में बीजेपी के उम्मीदवार के सामने कोई ताकतवर प्रतिद्वंद्वी नहीं है। जो 16 निर्दलीय मैदान में हैं, उनमें उनका किसी का ऐसा वजूद नहीं कि कोई चमत्कार हो सके।

यहां 25 लाख से ज्यादा मतदाता हैं। इनमें से करीब साढ़े 15 लाख ने वोट डाले। यानी मतदान करीब 61 प्रतिशत से ज्यादा हुआ। तय है कि इसमें ज्यादातर वोट उस बीजेपी के उम्मीदवार के खाते में जाएंगे, जिसके सामने कोई मुकाबले में ही नहीं है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार के मैदान छोड़ने के बाद किसी निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन नहीं दिया। उसने कांग्रेस समर्थकों से अपील की, कि वे ईवीएम में 'नोटा' का बटन दबाकर अपना विरोध दर्ज करें। इस वजह से है उम्मीद की जा रही है कि 'नोटा' में सर्वाधिक वोट का देश में दर्ज पुराना रिकॉर्ड टूटेगा, जो अभी तक बिहार की गोपालगंज संसदीय सीट के नाम है। वहां 'नोटा' के खाते में 61,550 वोट पड़े थे। ऐसा अनुमान है कि इस बार इंदौर इस आंकड़े से बहुत आगे निकल सकता है। क्योंकि, कांग्रेस ने 'नोटा' के बटन को अपने उम्मीदवार की तरह समझा और मतदाताओं को भी समझाया। अब इसका फायदा रिकॉर्ड बनने में मिलेगा।

जहां तक 16 निर्दलीय उम्मीदवारों की बात है, तो उनमें से कोई भी इतना ताकतवर नहीं, जो बीजेपी उम्मीदवार का प्रतिद्वंद्वी माना जाए। ऐसे में पिछली बार जो बीजेपी उम्मीदवार साढ़े 5 लाख वोटों के अंतर से चुनाव जीता था, संभावना है कि इस बार वह करीब दुगना होगा। इससे एक तरफ ईवीएम में 'नोटा' के बटन दबाने का रिकॉर्ड बनेगा, दूसरी तरफ बीजेपी उम्मीदवार की जीत का। इसलिए कहा जा सकता है कि बीजेपी और कांग्रेस दोनों पार्टियां नतीजे वाले दिन अपनी-अपनी पीठ थपथपाएंगे। कांग्रेस को इस बात की खुशी होगी कि मतदाताओं ने 'नोटा' में बटन दबाकर उसका साथ दिया और देश में 'नोटा' का रिकॉर्ड बना। बीजेपी भी जीत की खुशी मनाएगी। पर, उसके समर्थकों में ये कसक भी रहेगी कि वे ऐसा मुकाबला जीते, जिसमें कोई प्रतिद्वंद्वी ही नहीं था। सीधे शब्दों में कहा जाए तो इंदौर में बीजेपी भी जीतेगी और कांग्रेस भी।

इंदौर संसदीय क्षेत्र के चुनाव में इस बार जो हुआ, वो वास्तव में अजूबा ही कहा जाएगा। यहां जिस दिन नाम वापसी का दिन था, उसी दिन कांग्रेस के उम्मीदवार ने अपना नाम वापस लेकर कांग्रेस पार्टी को मुकाबले से बाहर कर दिया। उन्होंने न सिर्फ चुनाव मैदान छोड़ा, बल्कि उसी समय प्रतिद्वंदी पार्टी बीजेपी में शामिल हो गए। ये देश के चुनाव इतिहास में हुई अजीब घटना है। कई घंटों तक कांग्रेस की राजनीति में सन्नाटा छाया रहा। क्योंकि, नया फैसला करने का समय भी नहीं बचा था। मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस के हाथ से एक और सीट निकल गई। लेकिन, उसने कोई नया प्रयोग नहीं किया और बजाए किसी उम्मीदवार का समर्थन करने के एक तरह से समर्पण ही किया। लेकिन, मतदाताओं से यह आह्वान जरूर किया कि वे यदि इन हालातों को लोकतंत्र के लिए सही नहीं मानते। तो ईवीएम मशीन का सबसे आखिरी वाला 'नोटा' का बटन दबाएं। इससे देश के सामने यह संदेश जाएगा कि जो हुआ वो ठीक नहीं था। कांग्रेस की अपील कितना असर दिखाती है, ये तो नतीजे बताएंगे। लेकिन, देश के सामने इस लोकसभा सीट का चुनाव भी एक उदाहरण है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 45 °c | न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 29 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल की जमानत पर तत्काल सुनवाई से एससी का इनकार

कहा-सीजेआई फैसला लेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत पर बाहर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से मेडिकल कंडीशन के आधार पर कुछ टेस्ट करवाने के लिए अंतरिम जमानत को 7 दिन बढ़ाने की मांग की थी। मंगलवार को उनके वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने इस याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया। जस्टिस जेके माहेश्वरी और केवी विश्वनाथन की वेकेशन बेंच ने कहा कि अंतरिम जमानत बढ़ाने का फैसला सीजेआई करेंगे, क्योंकि मुख्य मामले में केजरीवाल के खिलाफ फैसला सुरक्षित है। अरविंद केजरीवाल को ईडी मनी लॉन्ड्रिंग केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था।

मिजोरम में लैंडस्लाइड से 13 की मौत,16 लापता

- रेमल तूफान के कारण बारिश से पत्थर की खदान ढही

आइजोल (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में रविवार (26 मई) को आए रेमल तूफान का असर अब नॉर्थ-ईस्ट में दिखने लगा है। मिजोरम में तूफान के कारण लगातार हो रही बारिश की

वजह से मंगलवार सुबह 6 बजे आइजोल में एक पत्थर की खदान ढह गई। इसमें 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 लापता हैं। मिजोरम के डीजीपी अनिल शुक्ला ने न्यूज एजेंसी को बताया कि अब तक 10 शव निकाले गए हैं। इनमें में सात स्थानीय लोगों के हैं, जबकि तीन दूसरे राज्यों के हैं। मलबे में कई और लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, लेकिन तेज बारिश के कारण इसमें दिक्कतें आ रही हैं। इसके अलावा नॉर्थ-ईस्ट के एक अन्य राज्य असम में भी हाल खराब हैं।

छत्तीसगढ़ के वैद्य हेमचंद मांझी लौटाएंगे पद्मश्री पुरस्कार

रायपुर (एजेंसी)। माओवादियों की लगातार धमकियों के बीच बस्तर के नारायणपुर जिले के वैद्य पद्मश्री हेमचंद मांझी ने घोषणा की है कि वह अपना पुरस्कार लौटा देंगे। साथ ही पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से इलाज बंद कर देंगे। मांझी

के भतीजे कोमल की छह महीने पहले माओवादियों ने हत्या कर दी थी और 72 वर्षीय मांझी को भी जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। आदिवासियों के लिए आजीवन चिकित्सा सेवा के लिए प्यार से बस्तर के वैद्यराज कहे जाने वाले मांझी को पिछले महीने ही पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। मांझी ने सोमवार को कहा कि माओवादियों ने कोमल, सागर और दुकान और दो अन्य (रिश्तेदारों) की हत्या कर दी है।

आखिरी फेज की वोटिंग से पहले कन्याकुमारी जाएंगे पीएम मोदी

उसी शिला पर लगाएंगे ध्यान, जहां स्वामी विवेकानंद ने लगाया था, 2019 में केदारनाथ गए थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव प्रचार के अपने अभियान का समापन कन्याकुमारी में रॉक मेमोरियल पर ध्यान लगाकर करेंगे। मोदी 30 मई से 1 जून तक कन्याकुमारी में रहेंगे। लोकसभा चुनाव के लिए अंतिम चरण की वोटिंग 1 जून को होना है। इस दिन 57 सीटों पर वोटिंह होना है। इस दौरान वे रॉक मेमोरियल के ध्यान मंडपम में उसी स्थान पर दिन-रात ध्यान करेंगे जहां स्वामी विवेकानंद ने ध्यान किया था। 18 मई 2019 में लोकसभा चुनाव प्रचार थमने के अगले दिन मोदी ने केदारनाथ की रुद्र गुफा में ध्यान लगाया था। वे करीब 17

घंटे गुफा में रहे थे। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में 57 लोकसभा सीटों के लिए 1 जून को मतदान होना है। इन सीटों के लिए चुनाव प्रचार 30 मई की शाम 5 बजे थम जाएगा। चुनाव प्रचार थमने के बाद पीएम मोदी का 30 मई की रात तमिलनाडु के कन्याकुमारी पहुंचने का कार्यक्रम है। 31 मई को सुबह मोदी विवेकानंद रॉक मेमोरियल जाएंगे। वहां पूरे दिन पीएम मोदी रॉक मेमोरियल पहुंच ध्यान कर करेंगे। इससे पहले पीएम मोदी की 30 मई को पंजाब में रैली है।वे पंजाब के होशियारपुर में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। रैली के बाद मोदी का तमिलनाडु दौरे पर पहुंचने का कार्यक्रम है। वे तमिलनाडु में ही रात्रि विश्राम भी करेंगे। हालांकि, पीएम मोदी का 31 मई और 1 जून का आधिकारिक कार्यक्रम अभी जारी नहीं किया गया है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार थमने के बाद ध्यान लगाने कहीं जा रहे हों। पीएम मोदी 2019 के लोकसभा चुनाव में भी की सीटों के लिए चुनाव प्रचार थमने के बाद ध्यान लगाने चले गए थे तब पीएम मोदी उत्तराखंड के केदारनाथ गए थे। पीएम मोदी ने उत्तराखंड के केदारनाथ पहुंच रुद्र गुफा में ध्यान किया था।

पुणे पोर्श केस

सरकारी अस्पताल में बदला गया था सैंपल

पुणे/मुंबई (एजेंसी)। पुणे पोर्श एक्सीडेंट केस में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने बताया कि नाबालिग आरोपी के पिता ने बेटे की शराब पीने की बात छिपाने के लिए ब्लड सैंपल बदलवाया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके लिए पिता विशाल अग्रवाल ने सरकारी अस्पताल के कर्मचारी को 3 लाख रुपए दिए थे, जिसने फोरेंसिक हेड डॉ. अजय तावरे और डॉ. श्रीहरि हैलनोर तक ये रकम पहुंचाई थी। विशाल अग्रवाल ने डॉ. अजय तावरे से इसके लिए फोन पर बात भी की थी। हैलनोर ने पुलिस के सामने कबूला कि डॉ. तावरे के कहने पर ही उसने ओरिजनल ब्लड सैंपल डस्टबिन में फेंका था। इसके बाद उसने किसी अन्य शख्स के ब्लड सैंपल से रिपोर्ट बनाई, जिससे नाबालिग के नशे में होने की बात छिपाई जा सके। दोनों डॉक्टर और कर्मचारी अतुल घटकांबले को गिरफ्तार कर लिया गया है। उधर, पुणे डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने आरोपी नाबालिग के पिता और दादा की न्यायिक हिरासत 31 मई तक बढ़ा दी है। पुलिस ने 21 मई को पिता को और 25 मई को दादा को गिरफ्तार किया था। डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद बीजेपी विधायक सुनील टिंगरे का एक सिफारिश लेटर वायरल हो रहा है। 26 दिसंबर 2023 का ये लेटर उन्होंने स्टेट मेडिकल एजुकेशन मिनिस्टर हसन मुश्रीफ को लिखा था। इसमें उन्होंने तावरे को सुप्रीटेंडेंट बनाने की सिफारिश की थी।

50 डिग्री वाला टार्चर 'भट्ठी' की तरह तपे शहर

यूपी के झांसी में 132 साल बाद सबसे ज्यादा गर्मी

दो दिन हीटवेव का अनुमान, फलोदी में पारा 49.4

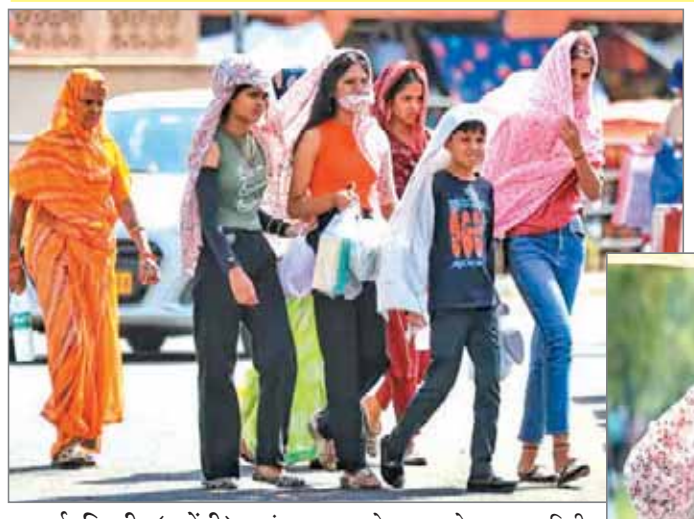

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को नौतपा का चौथा दिन रहा। राजस्थान का फलोदी लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 49.4ए रिकॉर्ड किया गया। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार दो दिन हीटवेव चलेगी। 30 मई से गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। देश में बढ़ते तापमान के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। सोमवार को पंजाब में 46 साल का रिकॉर्ड टूटा। पंजाब के बठिंडा में अधिकतम तापमान 48.4 डिग्री दर्ज किया गया। 21 मई 1978 को अमृतसर का तापमान 47.7 डिग्री दर्ज किया गया था। झांसी में 132 साल बाद सोमवार को 48.1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया, इससे पहले 20 मई 1892 को यहां पारा 48.1 डिग्री तक गया था। आगरा में गर्मी का 26 साल का रिकॉर्ड टूटा है। यहां पारा 47.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। इससे पहले 27 मई 1998 में आगरा का अधिकतम तापमान 48.6 डिग्री तक पहुंचा था। उत्तर प्रदेश में सोमवार को गर्मी के कारण 10 लोगों की जान चली गई। राजस्थान में पिछले एक हफ्ते के दौरान 35 लोगों की मौत हो चुकी है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली समेत 10 राज्यों की 75 जगहों का तापमान 45 डिग्री या उससे ज्यादा दर्ज किया गया। रविवार को देश में सिर्फ 37 जगहों का तापमान 45 डिग्री या उससे ज्यादा था। आईएमडी के डायरेक्टर मृत्युंजय मोहपात्रा ने सोमवार को बताया कि 30 मई तक देशभर में ऐसे ही हीटवेव चलेगी। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली और हिमाचल के कुछ इलाकों में भीषण गर्मी रहेगी। हालांकि, उसके बाद राहत मिलने की संभावना है। 30 मई को एक पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है। यह हवा का एक सिस्टम है जिसके चलते उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में बारिश होगी और मैदानों में तापमान तीन-चार दिन तक कुछ कम होगा। केरल में अगले पांच दिन में मानसून के पहुंचने की स्थिति बनती नजर आ रही है।

गुरुमीत राम रहीम डेरा मैनेजर की हत्या के केस में हुए बरी

- हाईकोर्ट ने सीजेआई कोर्ट का फैसला रद्द किया, पत्रकार हत्याकांड और साध्वी रेप केस में जेल में रहेगा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने डेरा सच्चा सौदा चीफ राम रहीम समेत 5 लोगों को डेरा मैनेजर रणजीत सिंह हत्याकांड में बरी कर दिया है। राम रहीम समेत 5 आरोपियों को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा दी थी। राम रहीम इस वक्त रोहतक की सुनारिया जेल में बंद है। उसे 3 मामलों में सजा हुई थी। इनमें रणजीत हत्याकांड के अलावा पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या और साध्वियों के यौन शोषण का केस भी

शामिल है। पत्रकार की हत्या में उसे उम्रकैद और यौन शोषण के 2 केसों में 10-10 साल की कैद हुई थी। इस केस में बरी होने के बावजूद राम रहीम को अभी जेल में ही रहना होगा। हाईकोर्ट के फैसले पर डेरा सच्चा सौदा ने कहा कि हमें न्यायपालिका पर हमेशा पूर्ण विश्वास रहा है और माननीय न्यायालय से हमें न्याय मिला है। कुरुक्षेत्र के रहने वाले डेरे के मैनेजर रणजीत सिंह की 10 जुलाई 2002 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसकी पुलिस जांच हुई, लेकिन डेरे को क्लीन चिट दे दी गई। पुलिस जांच से असंतुष्ट रणजीत सिंह के बेटे जगसीर सिंह ने जनवरी 2003 में हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग की थी। हालांकि, शुरुआत में इस मामले में राम रहीम का नाम नहीं था, लेकिन साल 2003 में जांच सीबीआई को सौंपी गई। फिर 2006 में राम रहीम के ड्राइवर खट्टा सिंह के बयान पर डेरा प्रमुख को शामिल किया गया। इस मामले में 2007 में कोर्ट ने आरोपियों पर आरोप तय किए थे। 19 साल के बाद अक्टूबर 2021 में डेरा मुखी समेत 5 आरोपियों को दोषी करार दिया गया। जिसके बाद कोर्ट ने इन्हें उम्रकैद की सजा दे दी।

नौतपा में 'रामलला' की सेवा में बड़ा बदलाव

- कूलर नहीं, अब एसी की हवा लेंगे भगवान

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में अधिकतम तापमान 41 डिग्री पहुंच गया है। नौतपा मौसम की बेरुखी से अयोध्या में बालक राम की सेवा में बदलाव किया गया है। उन्हें बेहतरीन हल्की कढ़ाई किए हुए सूती वस्त्र पहनाए जा रहे हैं। हल्के आभूषण से श्रृंगार किया जा रहा है। पुजारी संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि प्रभु को रोज दही या लस्सी के साथ मौसमी रसीले फलों का भोग लगाया जा रहा है। इनमें आम, मौसमी, लीची, खरबूज, तरबूज आदि हैं। रामलला के लिए नया एसी आ गया है, जो जल्द गर्भगृह में लगाया जाएगा। अभी गर्भगृह में कूलर लगाया गया है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने राम मंदिर को एसी सौंप दिया है।

हिमाचल में मेरा स्थायी घर, मेरा दिल यहीं बसता है

प्रियंका गांधी बोलीं-पीएम ने चोरों की तरह सरकार गिराने की कोशिश की,खुद को देवता समझते हैं

ऊना (एजेंसी)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी हिमाचल दौरे पर हैं। मंगलवार को उन्होंने ऊना के गगरेट और कुटलैहड़ में रैली को संबोधित किया। इसके बाद हमीरपुर के बड़सर में रोड शो निकाला। प्रियंका गांधी ने कहा- हिमाचल में मेरा स्थायी घर है। मेरा दिल दिल्ली में नहीं हिमाचल में बसता है। इसलिए मैं बार-बार हिमाचल में यहां की भोली भाली जनता से मिलने आती हूं। यहां के सांसद लोगों का हाल-चाल नहीं पूछते। वह बड़े-बड़े महलों, क्रिकेट और मंचों पर दिखाई देते हैं। अग्निवीर योजना लाने वाली सरकार के दिल में देशभक्ति नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री अक्सर कहते हैं कि हिमाचल उनका दूसरा घर है। जब आपदा आई तो एक बार प्रधानमंत्री यहां नहीं आए। राहत एवं बचाव कार्य के लिए केंद्र से एक भी रुपया नहीं आया। जब हिमाचल आपदा से बाहर निकलने लगा तो मोदी और यहां के सांसद ने चोरों की तरह सरकारी गिराने की कोशिश की। 100-100 करोड़ देकर विधायकों को खरीदने वाले धर्म की बात करते हैं। चुनाव के समय बीजेपी धर्म की बातें करती है, बाकी समय सरकार को गिराने जैसी राजनीति करती है। मोदी अपने आप को देवता समान समझने लगे हैं। सोचते हैं कि उन्हें धर्म के नाम पर वोट मिल जाएगा। प्रियंका ने कहा- पीएम मोदी ने देश की संपत्ति अपने करोड़पति दोस्तों के हाथ बेच दी। सेब, कोयला, बंदरगाह, हवाई अड्डा, सब अपने प्रिय मित्र के हाथों बेच दिया।

मैं सुप्रिया ताई की वजह से छोड़ रही यह पार्टी

सोनिया दुहन ने छोड़ा शरद पवार की एनसीपी का साथ

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में शरद पवार की एनसीपी को एक और बड़ा झटका लगा है। पूर्व एनसीपी-एससीपी छात्र संघ अध्यक्ष सोनिया दुहन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा की पार्टी में कुछ भी ठीक नहीं है। सेल्फी डाल देने से, सोशल मीडिया पर फोटो डाल देने से

पार्टी नहीं चलती। पार्टी को पार्टी के तरीके से चलाना पड़ता है। ये बात सुप्रिया ताई और उनके आसपास के लोगों को समझनी पड़ेगी। पार्टी ऐसे लोगों से नहीं चलेगी जो लीडर नहीं है। मैं ये पार्टी छोड़ रही हूं। पूरे जिम्मेदारी के साथ ये कह रही हूं कि सुप्रिया ताई की वजह से मैं पार्टी छोड़ रही हूं। धीरज शर्मा ने पार्टी सुप्रिया ताई की वजह से छोड़ी है। हम दोनों ने सिर्फ और सिर्फ सुप्रिया ताई की वजह से पार्टी छोड़ी है। उन्होंने कहा कि मैं अब शांति से घर में बैठूंगी। न मैं किसी से बात करूंगी ने किसी से पार्टी छुड़वाऊंगी लेकिन धीरज शर्मी जी के साथ काफी लोग गए हैं। उनके भी यही कारण है। कभी आजतक सुधबुध ही नहीं ली गई।

महात्मा गांधी पर जॉर्ज ऑरवेल की चिट्ठी मचाएगी बवाल

20 साल से राइट हैंड, ब्रिटिश शासन में मददगार...

लिखा था-गांधी के तरीकों से अंग्रेज कभी भारत से बाहर नहीं जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रतिष्ठित ब्रिटिश लेखक जॉर्ज ऑरवेल राजनीतिक-सामाजिक विषयों पर अपनी मुखरता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने महात्मा गांधी और ब्रिटिश राज के संबंधों पर अपने विचार बहुत खुलकर रखे हैं। ऑरवेल का मानना था कि गांधी की अहिंसक रणनीति ब्रिटिश साम्राज्यवादियों के लिए फायदेमंद रही। उनका तर्क था कि गांधी की अहिंसा की नीति ने ब्रिटिश सरकार के लिए भारत पर शासन करना आसान बना दिया था। ऑरवेल ने लिखा, गांधी ने ब्रिटिश साम्राज्य के लिए भारत पर शासन करना आसान बना दिया क्योंकि उनके अहिंसक तरीके अंग्रेजों को भारतीयों पर क्रूरता या अत्यधिक बल प्रयोग से बचने का मौका दिया करते थे। जॉर्ज ऑरवेल ने 8 अप्रैल, 1941 को रेवंड इयोरवर्थ जोन्स को पत्र लिखा

था। जोन्स ब्रिटिश सरकार में मंत्री थे। ऑरवेल ने उन्हें लिखी अपनी चिट्ठी में कई मुद्दों पर बात की थी। इसी क्रम में उन्होंने गांधी और शांतिवाद शीर्षक से ब्रिटिश साम्राज्य और महात्मा गांधी के बीच रिश्ते पर अपना विचार रखा था। उन्होंने लिखा, शायद मुझे यह नहीं कहना चाहिए था कि शांतिवादी हमेशा ऐसे लोग होते हैं जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से सुरक्षित जीवन जिया है, हालांकि यह एक तथ्य है कि शुद्ध शांतिवादी आमतौर पर मध्यम वर्ग से आते हैं लेकिन यह एक तथ्य है कि एक आंदोलन के रूप में शांतिवाद सिर्फ उन्हीं समुदायों के बीच मौजूद है जिन्हें विदेशी आक्रमण और उपनिवेशवाद की आशंका नहीं दिखती।

अंग्रेजों के हाथों इस्तेमाल होते रहे गांधी: ऑरवेल

ऑरवेल गांधी की बुद्धिमत्ता पर भी सवाल उठाते हैं। वो लिखते हैं, गांधी व्यक्तिगत रूप से काफी ईमानदार हैं और उन्हें इस बात की भनक भी नहीं है कि उनका किस तरह से इस्तेमाल किया जा रहा है। उनकी व्यक्तिगत ईमानदारी उन्हें (अंग्रेजों के फायदे में) और भी उपयोगी बनाती है। मैं यह कहने का जोखिम नहीं उठाऊंगा कि उनके तरीके लंबे समय में सफल नहीं होंगे। किसी भी तरह से यह कहा जा सकता है कि हिंसा को रोककर और इस तरह संबंधों को एक निश्चित बिंदु से आगे बढ़ने से रोककर, उन्होंने इस बात की संभावना बढ़ा दी है कि भारत की समस्या अंतत : शांतिपूर्ण तरीके से हल हो जाएगी। उन्होंने लिखा, लेकिन यह मानना मुश्किल है कि इन तरीकों से कभी भी अंग्रेजों को भारत से बाहर निकाला जा सकेगा और निश्चित रूप से मौके पर मौजूद अंग्रेज ऐसा नहीं सोचते। इंग्लैंड पर विजय के लिए गांधी निश्चित रूप से हमें सलाह देंगे कि जर्मनों के खिलाफ लड़ने के बजाय उन्हें यहां शासन करने दें- वास्तव में उन्होंने इसी की वकालत की थी।

इंदौर में अब 40 किलोमीटर रफ्तार से हवा चली

नौतपा के चौथे दिन तापमान में गिरावट; दोपहर में 39 डिग्री पहुंचा पारा

इंदौर (नप्र)। इंदौर में मंगलवार सुबह से तेज हवाएं चल रही है। इनकी रफ्तार 40 किलोमीटर से भी ज्यादा है। इस वजह से गर्मी का अहसास नहीं हो रहा लेकिन उमस बरकरार है। मौसम विभाग का दावा है कि दिन में हवाओं की चाल थोड़ी कम पड़ सकती है, इस वजह से पारा बढ़ेगा। सोमवार की तुलना में आज भी पारा गिर सकता है। मंगलवार को दोपहर में पारा 39 डिग्री तक गिर गया। जबकि सोमवार को इसी समय करीब तीन डिग्री ज्यादा 41.9 डिग्री था। बता दें कि पिछले सप्ताह 44 तक जा चुका था। नौतपा के तीसरे दिन पूरा मध्यप्रदेश जमकर तपा है। सूर्य के कृतिका से रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने के साथ ही शनिवार 25 मई से नौतपा शुरू हो गया था। 10 साल में से 5 साल नौतपा में भीषण गर्मी पड़ने का ट्रेंड है। पहले दिन नौतपा का असर कम रहा, लेकिन दूसरे दिन और तीसरे दिन पूरे प्रदेश में चिलचिलाती धूप और गर्म हवाएं चलती रही। इस कारण प्रदेश के कई शहरों में पारा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

कलेक्टर ने 18 लोगों को बांटे फ्री मूवी टिकट

लोकसभा चुनाव में मतदान पर्ची नहीं मिलने पर की थी शिकायत

इंदौर (नप्र)। इंदौर जिले में लोकसभा चुनाव में मतदान पर्ची नहीं मिलने वाले 18 लोगों को मंगलवार को मूवी की टिकट बांटी गई। कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत-प्रतिशत मतदाताओं को मतदाता पर्ची वितरण का लक्ष्य रखा था। उन्होंने मतदाताओं को मतदाता पर्ची प्राप्त न होने की शिकायत जिला निर्वाचन कार्यालय में करने को कहा था। कलेक्टर ने लोगों से अपील की गई थी कि जिन मतदाताओं को समय-सीमा में मतदाता पर्ची प्राप्त न हो, वे शिकायत दर्ज कराएं। यदि उनके द्वारा की गई शिकायत सत्य पाई जाती है, तो ऐसे शिकायतकर्ताओं को सिनेमा के टिकिट जिला प्रशासन की ओर से दिए जाएंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्रसिंह रघुवंशी ने बताया कि जिले में कुल 43 शिकायतें प्राप्त हुई। इन शिकायतों का सत्यापन कराया गया। सत्यापन के बाद 18 मतदाताओं को 29 मई के पीवीआर, टीआई मॉल के शाम 7 बजे के शो की सिनेमा टिकट प्रदान किए गए। एक शिकायतकर्ता द्वारा सिनेमा टिकट लेने से इनकार किया गया।

इंदौर जिला कोर्ट में महिलाएं भिड़ीं, नाबालिग लड़की की शादी का विवाद

इंदौर (नप्र)। इंदौर के जिला कोर्ट में दो महिलाओं के बीच मारपीट का वीडियो सामने आया है। यहां एक युवती और महिला में विवाद हो गया। यहां वकीलों को बीच बचाव करने उतरना पड़ा। कोर्ट सुरक्षा में तैनात पुलिसवालों को वकील मौके पर बुलाते रहे लेकिन झगड़े होने तक कोई नहीं पहुंचा था। जिला न्यायालय परिसर में मंगलवार दोपहर एक नाबालिग की शादी कराने को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ। एक युवती और महिला आपस में गुत्थमगुत्था हो गई। कैम्पस में काफी देर तक हंगामा चलता रहा। मौके पर मौजूद वकीलों ने उन्हें अलग किया। बाद में पुलिस को सूचना दी गई। इंतजार के बाद आई पुलिस दोनों पक्षों को एमजी रोड थाने लेकर पहुंची है।पुलिस सूत्रों ने बताया मामला दर्ज हो सकता है। अभी नाम आदि सामने नहीं आए हैं। बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

पुणे के ट्रांसपोर्टर की इंदौर में मौत

इंदौर (नप्र)। इंदौर के पंढरीनाथ इलाके की एक होटल में पुणे ट्रांसपोर्टर की मौत हो गई। वह यहां पर दोस्तों और परिवार के करीब 20 लोगों के साथ उज्जैन और ओंकारेश्वर की यात्रा पर आए थे। सोमवार को उज्जैन से दर्शन करने के बाद होटल में रुके थे। तभी उन्हें हार्ट अटैक आ गया। दोस्त उन्हें नजदीक के अस्पताल ले गए। यहां से रात में उन्हें एमवाय भेज दिया गया। पंढरीनाथ पुलिस के मुताबिक मृतक रवीन्द्र पंवार (68) निवासी रविवारीय पेठ पुणे है। उन्हें जवाहर मार्ग इलाके की होटल सिटी प्राइड में सोमवार को अचानक अटैक आ गया। इस समय वह दोस्तों से बात कर रहे थे।समय अचानक अटैक आ गया। उन्हें पहले निजी अस्पताल भेजा गया। बाद में मृत अवस्था में साथी एमवाय लेकर आए। दोस्तों ने बताया कि रवीन्द्र पेशे से ट्रांसपोर्टर हैं। उनके परिवार में दो बेटे और पत्नी हैं।

इंदौर में पेंसिल की पैकिंग के नाम पर ठगी

महिलाओं के लिए सरकारी स्कीम बताकर खाते में डलवा लिए 54 हजार

इंदौर (नप्र)। इंदौर में एक महिला से ऑनलाइन काम देने की बात करते हुए 54 हजार रुपए ठग लिए। बताया कि घर बैठे पेंसिल की पैकिंग करने के लिए सरकारी योजना है। उसमें आपको हर महीने 15 हजार रुपए मिलेंगे। इसके लिए माल की डिलीवरी आपके घर पर ही करा दी जाएगी। महिला ने हां कही तो उसे माल उपलब्ध कराने और रजिस्ट्रेशन के नाम 10 बार में 54 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। लेकिन जब आरोपी ने कुछ नहीं भेजा तो महिला को शक हुआ और उसने पुलिस थाने जाकर रिपोर्ट लिखा दी।एरोड्रम पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता मनीषा जैन निवासी ए रतनबाग कॉलोनी ने दो लोगों पर ऑनलाइल पेमेंट स्कैम फ्रॉड का केस दर्ज कराया है। मनीषा ने पुलिस को बताया कि सितंबर 2023 में विपिन गुप्ता का कॉल आया। उसने कहा कि पेंसिल की घर बैठे पैकिंग करने की ऑनलाइन शासकीय स्कीम है। उस स्कीम में आपको 15 हजार रुपए हर महीना मिलेगा। आपके घर पर डिलीवरी बॉय आएगा और पेंसिल व पैकिंग करने का सामान दे जाएगा। काम के बाद पेंसिल लेकर चला जाएगा। इस पर मनीषा ने हां कर दिया।

इसके बाद विपिन ने कहा कि इसके लिये आपको रजिस्ट्रेशन कराना होगा। जिसमें आधार कार्ड, फोटो और रुपए देना होंगे। मनीषा ने विपिन के दिए हुए मोबाइल पर अपना आधार कार्ड, फोटो भेजने और पैसे ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आईडी कार्ड के नाम से फिर रुपए मांगे। ऐसे अलग-अलग कारण बताकर 10 से ज्यादा बार रुपए का ट्रांसफर कराए। लेकिन पेंसिल या उसका कोई सामान नहीं भेजा। पूछने पर टाल देता फिर कुछ दिन बाद विपिन ने मनीषा का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर से सोमवार रात केस दर्ज कर लिया गया।

बगैर अनुमति सभा, धरना, रैली, जुलूस नहीं

कलेक्टर ने जारी किया आदेश; किसी भी समारोह में हवाई फायर भी रहेंगे प्रतिबंधित

इंदौर (नप्र)। इंदौर में बिना अनुमति प्रदर्शन, धरना, रैली, जुलूस नहीं निकाले जा सकेंगे। प्रशासन ने किसी भी कार्यक्रम में लाउड स्पीकर के उपयोग से पहले अब अनुमति लेना जरूरी कर दिया गया है। कलेक्टर आशीष सिंह ने आदेश जारी करते हुए कहा कि विभिन्न मुद्दों को लेकर विभिन्न संगठनों के प्रदर्शन, धरना, रैली, जुलूस आदि सक्षम अधिकारी से पूर्वानुमति बिना आयोजित नहीं किया जाये। ध्वनि विस्तार यंत्रों का प्रयोग निहित शर्तों के अधीन सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना नहीं किया जाएं। रैली, जुलूस आदि में किसी प्रकार के अस्त्र, शस्त्र धारण करना और प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा।

बिना अनुमति पांडाल आदि निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक संसाधन जैसे मोबाइल, कंप्यूटर, पोस्टर एवं अन्य सोशल मीडिया आदि पर विधि विरुद्ध संदेश के प्रसारण अग्रेषण, साम्प्रदायिक टिप्पणी, 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों को एक स्थान पर एक समय में एकत्रित होने पर प्रतिबंध रहेगा।

जारी आदेश के अनुसार कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार के धारदार या अन्य हथियार, आग्नेय शस्त्र, हॉकी, डण्डा, रॉड इत्यादि लेकर नहीं चलेगा अथवा दुरूपयोग नहीं करेगा और ना ही प्रदर्शन करेगा। किसी भी प्रकार के उत्सव व समारोह में हवाई फायर वर्जित रहेंगे। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था आदि, सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी स्थान पर सभा, धरना प्रदर्शन, जुलूस, वाहन/साधारण रैली आदि का आयोजन नहीं करेंगे।

25 प्रतिशत तक बढ़े स्किन डिसीज के मरीज

इंदौर में सन बर्न, फंगल इन्फेक्शन, एलर्जी ने बढ़ाई परेशानी; बचाव के लिए ये बोले एक्सपर्ट

इंदौर (नप्र)। इस बार मई में पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों की बेचैनी बढ़ा दी ही है। गर्मी का असर है कि अब इसके कारण सनबर्न, फंगल इन्फेक्शन, एलर्जी, घमौरियों ने लोगों को परेशानी में डाल दिया है। शहर के स्किन रोग डॉक्टरों के पास ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। डॉक्टरों का कहना है कि बीते 10-15 दिनों में स्किन डिसीज संबंधी मरीजों की संख्या में 25त्न तक की बढ़ोतरी हुई है।दरअसल 18 मई के बाद तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे गया ही नहीं है। सुबह 11 बजे से ही ऐसी धूप रहती है कि लोगों को सिर और चेहरा ढंकने के लिए कैप, हेलमेट, दुपट्टा आदि का उपयोग करना पड़ रहा है। इसके बावजूद राहत नहीं है। रात को भी गर्म हवाओं ने हलाकान कर दिया है। लोग बार-बार पसीनों में तर हो रहे हैं। धूप और गर्मी के कारण सूखी त्वचा, होंठ फटने, घमौरियों, घमौरियां, सनबर्न और एलर्जी में अब बढ़ने लगी है।

इस साल बुजुर्ग भी चपेट में- डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. अतुल कांठेड ने बताया कि इन दिनों तीन तरह के मरीज बढ़े हैं। एक वे जिन्हें धूप से एलर्जी है। दूसरा अलाइया के मरीजों की संख्या बढ़ी है। तीसरा इन दोनों से ज्यादा फंगल इन्फेक्शन के मरीज बहुत ज्यादा बढ़े हैं। इसमें भी ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों की संख्या ज्यादा है। कारण यह सामने आया है कि गांवों में पूरे समय बिजली नहीं रहती। इस कारण पसीना बहुत आता है, कपड़े गीले होते हैं और फंगस लग जाती है। चिंताजनक बात यह है कि इस बार इसकी चपेट में कई बुजुर्ग भी हैं।अन्य स्किन एक्सपर्ट भी यही दोहराते हैं।

इंदौर में महिला के सुसाइड में पति पर केस

फंदे से उतारकर खुद लेकर पहुंचा था अस्पताल, बच्चों के बयान के बाद फंसा

इंदौर (नप्र)। इंदौर में एक महिला के सुसाइड के मामले में उसके पति के खिलाफ 5 दिन बाद ही पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। जांच में सामने आया कि महिला के मौत के दिन पति ने उसके साथ मारपीट की थी। इस घटना से दुःखी होकर उसने फांसी लगा ली। बाद में पति उसे उतारकर बॉम्बे अस्पताल लेकर पहुंचा। लेकिन पति ने अपने बयान में बताया था कि वह नौकरी से घर आया तब पत्नी फंदे पर लटकी मिली।

पुलिस ने इसके बाद सीसीटीवी कैमरे भी देखे थे। जिसमें पति घर के आसपास ही घूमता दिखा था। खजराना पुलिस ने उर्मिला (30) निवासी रामकृष्ण बाग कॉलोनी के सुसाइड के मामले में उसके पति अजय मोरिले के खिलाफ प्रताड़ना के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक उर्मिला की 22 मई को मौत हुई थी। पति अजय उसे बॉम्बे अस्पताल लेकर पहुंचा। उसने बताया था कि वह नौकरी पर गया था।

वापस आया तो दोनों बच्चे बाहर खेल रहे थे और उर्मिला फंदे पर लटकी थी। लेकिन इस मामले में पुलिस ने उसके दो बच्चों के बयान लिए तो पता चला कि उनके सामने ही अजय ने उर्मिला की पिटाई की थी। इसके साथ ही उर्मिला के माता-पिता ने भी बताया कि अजय का आए दिन विवाद करता था। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद सोमवार रात अजय को आत्महत्या के लिये प्रेरित करने के मामले में आरोपी बनाया है।

साइबर क्रिमिनल ने माता-पिता को मारने का बोला

युवती को 2 घंटे तक डिजिटल बंधक रखा, 12 लाख रुपए ठगे

इंदौर (नप्र)। ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले गिरोह ने एक साफ्टवेयर इंजीनियर युवती को 2 घंटे डिजिटल अरेस्ट किया। उसे ड्रग्स व टेरेरिस्ट एक्टिविटी में शामिल होने का बोलकर डराया। माता-पिता की हत्या की धमकी के साथ ही उसे मुंबई क्राइम ब्रांच, सीबीआई, ईडी से बचाने के नाम पर 12 लाख रुपए अलग-अलग खातों में डलवा लिए।एडि. डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि शहर की 23 वर्षीय युवती के साथ ये घटना हुई है। वह बेंगलुरु में डेल कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। उसने सोमवार को शिकायत की है कि उसे फेडेक्स इंटरनेशनल कंपनी के नाम पर एक फोन आया था। सामने वाले ने पहले मुंबई एयरपोर्ट का कस्टम ऑफिसर बनकर कहा कि आपका एक पार्सल मिला है। उसमें ड्रग्स और दस्तावेज हैं। दस्तावेजों का उपयोग टेरेरिस्ट एक्टिविटी में पाया गया है। वहीं कुछ बैंक अकाउंट्स से अवैधानिक ट्रांजेक्शन भी किए गए हैं। आप एक बड़े मामले में आरोपी बन सकती हैं। टेरेरिस्ट आपके माता-पिता की हत्या तक कर सकते हैं। इसलिए हम जैसा कहते हैं वैसा करते जाएं।

2 घंटे मोबाइल ऑन रखवाकर बंधक रखा

युवती ने बताया कि उसे कॉल करने वालों ने अलग-अलग अधिकारी बनकर बात की। वर्दी में मुंबई क्राइम ब्रांच और साइबर अधिकारी बनकर वर्दी में वीडियो चैटिंग की। बोले कि अवैध एक्टिविटी से निकलने के लिए कुछ ट्रांजेक्शन अलग-अलग खातों में करने होंगे। करीब 22 ट्रांजेक्शन करवाकर उसके खाते से 12 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन करवा लिया। मामले में पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने बताया कि ऐसी घटना में रुपए गंवाने पर तत्काल 1930 नंबर पर कॉल कर शिकायत दर्ज करवाएं।

इंदौर में पुलिसकर्मी से महिला और युवक ने की मारपीट...

दोनों चोरी के मामले पहले भी पकड़े जा चुके हैं

इंदौर (नप्र)। इंदौर में सोमवार शाम एक महिला और युवक का पुलिसकर्मी से विवाद हो गया। घटना एमवाय चौकी की है। जानकारी के मुताबिक महिला और युवक पहले भी कई बार चोरी के मामले में पकड़े जा चुके है। पुलिसकर्मी से मारपीट कर रही महिला और युवक खजराना इलाके के हैं।घटना का पूरा वीडियो सोमवार देर रात सामने आए। वीडियो में पुलिसकर्मी धन्नालाल मीणा महिला अमरीन और युवक इमरान से बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। तभी वहां मौजूद इमरान ने पुलिसकर्मी से विवाद और मारपीट करना शुरू कर दिया। जिसके बाद महिला अमरीन भी पुलिसकर्मी से विवाद करते हुए और मारपीट करती है। विवाद अधिक बढ़ने पर वहां मौजूद दूसरे पुलिसकर्मी ने बीच बचाव किया।

वीडियो में पुलिसकर्मी को मारपीट के लिए उकसाती दिखी महिला- पुलिसकर्मी और युवक के बीच विवाद बढ़ता देख महिला पुलिसकर्मी से मारपीट के लिए उतारु हो जाती है। पुलिसकर्मी के बेल्ट निकाल उससे मारपीट करती हुई दिखा दी।

दोनों पर केस दर्ज,डीसीपी को सौंपी जांच

इस मामले की जानकारी देर रात कमिश्नर राकेश गुप्ता के पास पहुंची। उन्होंने मामले में जोन 2 का प्रभार संभाल रहे डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा को जांच करने की बात कही है। इस मामले में धन्नलाल की शिकायत पर अमरीन ओर इमरान के खिलाफ मारपीट ओर शासकीय कार्य में बाधा डालने का केस भी दर्ज किया गया है। रात में अभिनव विश्वकर्मा ने पूरे विवाद की जानकारी भी ली थी।

इंदौर; हाई कोर्ट में होगी आइस्क्रीम पार्टी, जज होंगे शामिल

गर्मी की छुट्टियां शुरू होने के पहले इस आयोजन की परंपरा

इंदौर (नप्र)। हाई कोर्ट की इंदौर बेंच के सभी जज और वकील आइस्क्रीम पार्टी का लुत्फ लेंगे। 63 साल पुराने परंपरा के तहत आइस्क्रीम पार्टी 31 मई को होगी। गर्मी की छुट्टियां शुरू होने के पहले इस आयोजन की परंपरा है।1960 में अस्तित्व में आए हाई कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा साल 1961 से इस अनूठी परंपरा की शुरुआत हुई। बार के तत्कालीन ज्वॉइंट सेक्रेटरी पीके सक्सेना ने गर्मी की छुट्टियों से पहले आइस्क्रीम पार्टी आयोजित किए जाने का प्रस्ताव रखा था, जो निर्विरोध पारित हो गया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रितेश इनानी ने बताया कि 31 मई को दोपहर डेढ़ बजे आइस्क्रीम पार्टी आयोजित होगी।

हाईकोर्ट के आदेश पर पांच नर्सिंग कॉलेज सील

सीबीआई जांच में सामने आई थी गड़बड़ी, फर्जी छात्र और छात्रवृत्ति दिखाई

इंदौर (नप्र)। इंदौर में सोमवार को पांच नर्सिंग कॉलेजों के खिलाफ क्लोज डाउन की कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश के बाद की गई है। जिनके खिलाफ कार्रवाई की गई है उनके नाम जगदगुरु दत्तात्रेय कॉलेज ऑफ नर्सिंग, राय एकेडमी नर्सिंग कॉलेज, वर्मा यूनियन नर्सिंग कॉलेज, ऋतुन्जया स्कूल ऑफ नर्सिंग और देवी अहिल्या नर्सिंग कॉलेज हैं। ये पांचों कॉलेज सीबीआई की जांच में अयोग्य पाए गए हैं। इन्हें कोर्ट ने अनसुटेबल (अयोग्य) माना था और बंद करने के निर्देश दिए थे।दरअसल हाल ही में इन कॉलेजों में अनियमितताओं के चलते हाईकोर्ट ने कार्रवाई के आदेश दिए थे। इसके बाद शाम को एसडीएम ओमनारायण बडकुल, एसडीएम घनश्याम धनगर सहित प्रशासन की अलग-अलग टीमों ने इन कॉलेजों को क्लोज डाउन करने की कार्रवाई शुरू की।

यह है मामला

राज्य चिकित्सा शिक्षा आयुक्त के निर्देशों के अनुसार हाई कोर्ट ने एक रिट याचिका पर कार्रवाई करते हुए इस साल 13 फरवरी को 65 नर्सिंग कॉलेजों को बंद करने का आदेश जारी किया है। हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार इन नर्सिंग कॉलेजों में नामांकित सभी छात्रों को परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए प्रशासन ने इन पांच कॉलेजों में नामांकित सभी छात्रों की सूची एकत्र की है। अगले आदेश के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यह सभी होना चाहिए था, पर नहीं मिला

जानकारी के मुताबिक इंदौर सहित प्रदेश के 66 कॉलेजों में नियमों के हिसाब से बिल्डिंग नहीं बनी है। जहां-जहां किराए पर बिल्डिंग दी है, वहां नियमों का पालन नहीं होता। हालांकि यह कैटेगरी में इंदौर में नहीं थी। 1600 की क्षमता का सेमिनार हॉल होना चाहिए। लाइब्रेरी 1800 वर्ग फीट की होनी चाहिए। क्लास रूम 800 वर्ग फीट के होने चाहिए। 9 लेबोरेट्री होना चाहिए। छात्रों का नुकसान नहीं, इस बार परीक्षा में शामिल हो सकेंगे एसडीएम ओमनारायण बड़कुल ने बताया कि सील किए गए कॉलेजों से हमने छात्रों की सूची भी ली है, ताकि उन्हें परीक्षा देने में किसी तरह की परेशानी न आए। हाई कोर्ट ने कहा है कि छात्रों का अहित न हो और वे परीक्षा में शामिल हो सके। हालांकि इसका लाभ सिर्फ एक ही बार छात्रों को मिलेगा।

ऐसी गड़बड़ियां: कॉलेज नियमों के मुताबिक नहीं चल रहा था। छात्रों को दी जाने वाली सुविधाएं पूरी नहीं थीं। बिल्डिंग जर्जर मिली। पहले जहां स्कूल चलता था, वहां कॉलेज खोल दिया।

नर्सिंग होम फायर सेफ्टी ऑडिट रिपोर्ट 7 दिन में मांगी

कलेक्टर ने ली फायर सेफ्टी से जुड़े कंसलटेंट और ठेकेदारों की बैठक

इंदौर (नप्र)। गुजरात में हुई घटना के बाद इंदौर जिला प्रशासन ने भी जिले के रजिस्टर्ड नर्सिंग होम में फायर सेफ्टी को लेकर समीक्षा की है। सोमवार को इस संबंध में एक अहम निर्देश जिला प्रशासन ने जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि निजी नर्सिंग होम में अपनी सुरक्षा के प्रावधानों की पुख्ता निगरानी का काम सीएमएचओ और डीन एमजीएम मेडिकल कॉलेज को दिया है। कलेक्टर ने सीएमएचओ, अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम, सभी एसडीएम को जिले में 7 दिन में इस आशय की ऑडिट रिपोर्ट देने के लिए कहा है।कलेक्टर ने बताया कि गर्मी के महीनों में तापमान के बढ़ने पर अस्पताल में अग्नि दुर्घटना की संभावना अधिक होती है। निजी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा से संबंधित नियमों का पालन करने के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभागी द्वारा जारी फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र' विषयक दिशा-निर्देश एवं ऊर्जा विभाग द्वारा जारी विद्युत सुरक्षा प्रमाण पत्र संबंधी निर्देश के पालन के लिए नर्सिंग होम को निर्देशित किया गया है।

वैधता समाप्त हो रही तो पहले ही नवीनीकरण का आवेदन करें

कलेक्टर ने आदेश में कहा है कि सीएमएचओ से अपेक्षित है कि जिले के पंजीकृत निजी नर्सिंग होम के पंजीयन की अवधि से जारी फायर सेफ्टी प्रामण-पत्र एवं विद्युत सुरक्षा प्रमाण पत्र की वैधता तिथि से मिलान किया जाए। निजी नर्सिंग होम के पंजीयन की अवधि के पूर्व यदि फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र की वैधता समाप्त होती हो तो समय रहते अस्पताल संचालक को उक्त प्रमाण-पत्र के नवीनीकरण के लिए कहा जाए। यदि कमियां पाई जाती हैं तो तत्काल सुधार के लिए प्रबंधन को प्रमाण पत्र देने के लिए निर्देशित करें। काम शुरू कर दिया है तो हम समय दे सकते हैं - मंगलवार को फायर सेफ्टी से जुड़े कंसलटेंट और ठेकेदारों को बुलाया गया है। जिन लोगों के यहां कार्रवाई की गई, उन्होंने बताया कि हमें फायर सेफ्टी के ठेकेदार नहीं मिल रहे हैं, इसलिए हम एक संयुक्त मीटिंग कर रहे हैं। हमारी कोशिश है हर संस्थान ऑडिट करवा लें। यदि कोई संस्थान कंसलटेंट या एजेंसी को हायर कर काम भी शुरू कर देता है तो हम उसे समय दे सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रशासन लगवाएगा पौधे - जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं सुधार के लिए वृक्षारोपण का अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए समाज के हर वर्ग की भागीदारी तय की जाएगी। साथ ही सरकारी विभागों की खाली जमीनों पर भी सघन पौधारोपण होगा। सोमवार को कलेक्टर आशीष सिंह ने बैठक में टीएंडसीपी को निर्देश दिए कि वह मास्टर प्लान के ऐसे एरिया तलाशें जहां डेंस फॉरेस्ट विकसित किया जा सकता है। आगे के प्लान में भी ऐसी जमीनों को संरक्षित किया जाए।

संपादकीय

मौत के गेमिंग जोन का दोषी कौन

गुजरात के राजकोट में हुए गेमिंग जोन हादसे पर हाईकोर्ट ने सही टिप्पणी की है कि यह शुद्ध से मानव निर्मित दुर्घटना है। इस भयंकर हादसे में 27 लोग जिंदा जल गए, इनकी संख्या अभी और बढ़ सकती है। मृतकों में 12 बच्चे थे। ये गेमिंग जोन बिना किसी परमिशन और प्रमाणपत्रों के चल रहा था। इस हादसे में जिन लोगों ने अपने परिजनों और मासूमों को खोया है, उनके आंसू पोंछने वाला कोई नहीं है। वो अपना दर्द किसको बताएं। कई शवों की हालत तो ऐसी है कि उनकी पहचान कर उनका अंतिम संस्कार कर पाना भी मुश्किल है। यह बात बिल्कुल साफ है कि अगर प्रशासन थोड़ा भी जागरूक होता तो इस हादसे को टाला जा सकता था। बीते शनिवार की शाम यह हादसा राजकोट के नाना मावा रोड पर टीआरपी गेमिंग जोन में हुआ था। बताया जाता है कि छुट्टी का दिन होने तथा जोन संचालकों द्वारा गेम फीस 500 रू. से घटाकर 99 रू. कर दिए जाने से गेम खेलने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। हैरानी की बात है कि यह गेम ज़ोन राजकोट के पॉश इलाके कालावाड में बनाया गया था। इसके एक तरफ आलीशान फ्लैट, बंगले, गार्डन और मुख्य सड़क है तो दूसरी तरफ राजकोट का मशहूर सयाजी होटल है। गेम ज़ोन में आने वाले पर्यटक अपने वाहन सामने खुले भूखंड में पार्क करते हैं और मुख्य द्वार से प्रवेश करते हैं। अंदर जाने पर ईंट-सीमेंट की नींव पर लोहे की छड़ों और चादरों से बनी दो मंजिला इमारत थी, जिसमें तरह-तरह के खेल खेले जाते थे। इसके पीछे फूड ज़ोन बनाया गया। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार आग स्टील के स्ट्रक्चर में वेल्डिंग के दौरान लगी। वहां लगी फोम शीट ने भी तुरंत आग पकड़ ली। इस हादसे की गूंज दिल्ली तक हुई और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। हादसे की सूचना मिलने के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल और गृह मंत्री हर्ष सांघवी घटना स्थल पर पहुंचे। सरकार ने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है और मामले की एसआईटी जांच के आदेश दिए हैं। इस बीच जिले के एसपी सहित कई आला अफसरों को हटा दिया है। इस बीच राजकोट तालुका पुलिस ने गेम ज़ोन के प्रबंधकों सहित छह लोगों के ख़िलाफ़ भारतीय दंड संहिता की धारा 304, 308, 337, 338 और 114 के तहत मामला दर्ज किया और जांच की जा रही है। अभियुक्तों में गेम ज़ोन के मैनेजर युवराज सोलंकी और मैनेजर नितिन जैन को गिरफ़्तार किया गया है। उधर, घटना की गंभीरता को देखते हुए गुजरात हाई कोर्ट की विशेष पीठ ने स्वतः संज्ञान लिया है। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार और राजकोट नगर निगम से रिपोर्ट मांगी कि ऐसे गेम ज़ोन को कैसे मंजूरी दी गई? जब कुछ तस्वीरों में गेमिंग जोन में अधिकारी दिखाई दिए तो न्यायमूर्ति बीरेन वैष्णव और न्यायमूर्ति देवन देसाई की पीठ और भड़क गई। पीठ ने नगर निकाय से कहा कि ये अधिकारी कौन थे? क्या वे वहां खेलने गए थे? अदालत को जब पता लगा कि अग्नि सुरक्षा प्रमाणन सुनवाई चार साल से अनसुलझी है, तो उसने राज्य सरकार को भी फटकार लगाई। कहा कि क्या आप अंधे हो गए हो? क्या आप सो गए? अब हमें स्थानीय प्रणाली और राज्य पर भरोसा नहीं है। इसके पहले गुजरात के मोरवी में भी पिछले साल ऐसा ही हादसा हुआ था, जिसमें झूला पुल गिरने से 135 लोगों ने अपनी जानें गंवा दी थी। उसकी भी एसआईटी जांच हुई, लेकिन प्रशासन का कोई दोषी नहीं पाया गया। क्या गेमिंग जोन हादसे में भी कोई जिम्मेदारी तय होगी?

राजनीतिक विसंगतियों से बचे नई लोकसभा

नजरिया

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अठारहवीं लोकसभा के गठन के लिये हो रहे चुनाव अब अन्तिम चरण में हैं। अब चुनाव परिणामों पर सबकी निगाहें लगी है, इसी के साथ नयी लोकसभा कैसी हो, किस तरह से राजनीतिक विसंगतियों से उसे बचाकर एक नये आदर्श लोकसभा का गठन हो, ताकि आजादी का अमृतकाल स्वर्णिम एवं सार्थक बन सके। वर्ष 2047 तक भारत की यात्रा परिवर्तन, संभावनाओं एवं अवसरों से भरी है। व्यापक लोकतांत्रिक सुधारों, समग्र विकास, आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाकर एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये प्रतिबद्धता, रणनीतिक योजनाओं, सही समन्वय एवं नयी लोकसभा के सदस्यों के आपसी संवाद की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृतकाल की पूर्णता तक पहुंचने से पहले देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र एक जीवित तंत्र है, जिसमें सबको समान रूप से अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार चलने की पूरी स्वतंत्रता होती है। लोकतंत्र की नींव जनता के मतों पर टिकी होती है। नागरिकों की आशा-आकांक्षाओं के अनुरूप प्रशासन देने वाला, संसदीय प्रणाली पर आधारित इसका मजबूत संविधान है। लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों के टूटते-बिखरते की स्थितियों और राजनीतिक प्रक्रिया के कारण आम लोगों में अरुचि और अलगाव बहुत साफ दिखाई देता है, इसके कुछ और भी अनेक कारणों में मुख्य है- समानता लोकतंत्र का हृदय है, लेकिन असमानता ही चहूं ओर दिखाई दे रही है। वोटों के गलियारे में सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने की होड और येन-केन-प्रकारेण वोट बटोरने के मनोभाव ने इस उन्नत शासन प्रणाली को कमजोर किया है, जिसकी झलक इन चुनावों में हमने बढ़-चढ़ कर देखी है।

नई संसद को लेकर विमर्श प्रारंभ हो गया है और होना भी चाहिए। यह भी याद रखना जरूरी है कि आज भारत का हर नागरिक विश्व में अपने देश के सम्मान को लेकर गौरवान्वित है। देश के भविष्य को लेकर वह काफी आशावान है। दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने को लेकर उत्साहित है। इनकी आशाओं पर खरा उतरने की चुनौती आम चुनावों में सफल होकर प्रधानमंत्री और सांसद बनने वालों के सामने है। इसमें दो राय नहीं कि सकारात्मक नेतृत्व ही व्यक्ति और राष्ट्र को नई प्रेरणा देता है। ऐसे में नवनिर्वाचित सांसदों को सक्रिय संवाद की परम्परा को पुनर्जीवित करने का प्रयास दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करने की अपेक्षा है। इसी से निर्वाचित प्रतिनिधियों की साख एवं स्वीकार्यता बढ़ेगी एवं इसीसे भारत के लोकतंत्र को अपेक्षित गरिमा एवं जीवंतता मिल सकेगी। नयी गठित होने वाली लोकसभा के सामने यह बड़ी चुनौती है।

यह चुनौती बड़ी इसलिये है कि राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय

राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है। कई राजनीतिक दल तो पारिवारिक उत्थान और उन्नयन के लिये व्यावसायिक संगठन बन चुके हैं। सामाजिक एकता की बात कौन करता है। आज देश में भारतीय कोई नहीं नजर आ रहा क्योंकि उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, महाराष्ट्रीयन, पंजाबी, तमिल की पहचान भारतीयता पर हावी हो चुकी है। वोट बैंक की राजनीति ने सामाजिक व्यवस्था को क्षत-विक्षत करके रख दिया है। ऐसा लगता है कि सब चोर एक साथ शोर मचा रहे हैं और देश की जनता बोर हो चुकी हैं।

लोकतंत्र में जनता की भागीदारी केवल वोट देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। जनता के स्वतंत्र लिखने, बोलने और करने की स्वतंत्रता का हनन करने वाले शासकों ने इस शासन प्रणाली को ही धुंधला दिया है। शासक ही सोचेगा, शासक ही बोलेगा और शासक ही करेगा- ऐसी घोषणाओं के द्वारा शासक ने जनता को पंगु, अशक्त और निष्क्रिय बनाया है इसका खासतौर से मध्यवर्ग, कामकाजी प्रोफेशनल्स और युवा आबादी में गहरा असंतोष है। शायद यही वजह है कि आज मुश्किल से ही कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है, जिसकी राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी हो। गौरतलब है कि शहरीकरण और इकनॉमिक ग्रोथ के साथ-साथ ऐसे लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। एक तरह से लोकतंत्र जैसी स्वस्थ और आदर्श शासन प्रणाली भी प्रश्नों के घेरे में है। अब आवश्यकता इस बात की भी है कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास हो और मतदान के साथ-साथ नागरिक सजगता का भी विकास हो।

लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने, चुनाव की खामियों को दूर करने एवं नये लीडर उभारने के प्रयास करने होंगे। आम जनता की सजगता नयी बनने वाली सरकार एवं नये सांसदों की नीतियां और नियत क्या है इस पर भी केन्द्रित हो। वोट देने के बाद हमारे शासक कर क्या रहे हैं, इस पर नजर रखे बिना सजगता संभव नहीं है। सोशल मीडिया में भीड़ है, वह तख्ता पलट तो कर सकती है लेकिन उसके बाद का काम नहीं कर सकती। लिहाजा मतदान पहला कदम है अंतिम नहीं। लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिये जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी से सरकार बनें और सही तरीके से चले भी। अच्छे लोग राजनीति में रूचि नहीं रखते। नागरिक सजगता की कमी इसी समझदार वर्ग में भी कम नहीं है। लोकसभा में अपराधियों की बढ़ती संख्या भी चिंता का विषय है। चुनाव आयोग पार्टियों को पंजीकृत तो कर सकता है लेकिन नियंत्रित नहीं। यह काम जागरूक नागरिक ही कर सकतें है अतः वे उठें और अपना कर्तव्य निभाएं। निष्क्रिय राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द होना चाहिए।

लोकतंत्र की यह दुर्बलता है कि सांसदों-विधायकों का चुनाव अर्हता, गुणवत्ता एवं योग्यता के आधार पर न होकर, दल या संस्था के आधार पर होता है। इससे राजनीति स्वस्थ नहीं बन सकती और न ही राजनीति में स्वस्थ, योग्य एवं प्रतिभासंपन्न उम्मीदवारों का चयन होता है। सही व्यक्ति की खोज वर्तमान राजनीति की सबसे बड़ी जरूरत है। स्वस्थ राजनीति में ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता इसलिये भी है ताकि लोकतंत्र को हांकने वाला निष्पक्ष हो, सक्षम हो, सुदृढ़ हो, स्पष्ट एवं सर्वजन हिताय का लक्ष्य लेकर चल सके। ऐसी व्यवस्था भी नियोजित की जानी चाहिए है जिसमें स्वतंत्र विचारों वाले जागरूक नागरिकों द्वारा हर सरकार के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए। यह उन्हें अपनी चुनावी घोषणाओं या जीतने के बाद किए गए वायदों के प्रति उत्तरदायी बनाएगा। हमें ऐसे मंच तैयार करने चाहिए जो भारत के उन युवाओं, प्रफेशनल्स और ऊर्जावान नागरिकों को एक साथ लाएं और आपस में जुड़ने का अवसर दें, जो इस देश की तस्वीर बदलना तो चाहते हैं लेकिन ऐसा कर नहीं पाते क्योंकि उनके पास मंच नहीं है। भावी नेतृत्व को तैयार करने के लिए हमें उनकी ऊर्जा को सही चैनल देने की पहल करनी होगी। यही युवा, सक्रिय नागरिक और प्रफेशनल अपने पेशे, अपने तौर-तरीकों और नागरिकों मूल्यों की वजह से दूसरों के लिए रोल मॉडल की भूमिका निभायेंगे। यही लोग अगली पीढ़ी के लिए पथ-प्रदर्शक बन जायेंगे। हमें भारत के विशाल प्रांगण में हर कोने में ऐसे लोगों की तलाश करनी होगी। ऐसे लोगों की तलाश और उन्हें लोकतंत्र के प्रशिक्षण का समुचित प्रबंध होना जरूरी है।

लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिये और नये लीडर तलाशने के लिये जरूरी है कि राजनीति के प्रशिक्षण का उपक्रम विभिन्न स्तरों पर संचालित होना चाहिए। न्यूनतम योग्यता एवं न्यूनतम प्रशिक्षण तय होना चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर कृषि, ग्रामीण रोजगार, शिक्षा, वित्तीय अनुशासन, स्वास्थ्य और कुपोषण, जवाबदेही और पारदर्शिता, चुनाव और पुलिस सुधार, मानवाधिकारों की रक्षा और संसाधनों का बराबर इनका मिशन होना चाहिए। इसलिए परिवर्तन के लिए पहले ऐसे लीडर तैयार करने होंगे। सेमिनारों, वाद-विवादों और महत्वपूर्ण मुद्दों पर राय मांगकर उनकी पहचान की जा सकती है। लीडरों का सशक्तीकरण करें, ताकि वे बदलाव के वाहक बन सकें। ऐसे दूसरे संगठनों और दबाव समूहों की पहचान करें जो अराजनीतिक और अनौपचारिक तंत्र के हिस्से हों, जैसे एनजीओ और उन्हें नीतियों के निर्माण और उनके आकलन में सहभागी बनाएं।

उपलब्धि

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मोहन सरकार आर्थिक गति के उच्च पायदान पर

मध्य प्रदेश में नई सरकार के गठन और उसके बाद प्रदेश को मुखिया के रूप में मिले डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री के पद पर रहते अभी पूरे छह माह भी नहीं बीते हैं कि एक के बाद एक उनके निर्णयों ने हर क्षेत्र में राज्य की गति को ऊंचाईयों तक पहुंचा दिया है।

यह स्वभाविक है कि किसी भी राज्य के विकास में सबसे अहम भूमिका, शासन, प्रशासन और जनता के बीच के समन्वय की होती है। लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा तब तक सफल नहीं होती, जब तक कि ये तीनों ही आपस में समन्वय के साथ कार्य करते हुए नहीं दिखते हैं। जब ये तीनों के बीच समन्वय होता है तो देश एवं प्रदेश की आर्थिक उन्नति होती है और आर्थिक गति आने से राज्य के हर नागरिक के जीवन में भौतिक सुख एवं उससे मिलनेवाले आध्यात्मिक सुख की वृद्धि होती है।

मध्य प्रदेश में आज जो नई भाजपा की मोहन सरकार में दृश्य उभरा है, वह राज्य के नागरिक की जेब से जुड़ा हुआ है, बाजार से आप कोई वस्तु एक उपभोक्ता के रूप में तभी खरीदते हैं, जब आपकी पॉकेट इसकी अनुमति देती है। यदि आपका कोई आर्थिक संग्रह नहीं या आपकी आय पर्याप्त नहीं है तब आप चाहकर भी कोई वस्तु स्वयं के लिए और अपने परिवार जन, कुटुम्ब, बन्धु-बान्धवों के लिए नहीं खरीद पाते हैं, किंतु इस संदर्भ में मध्य प्रदेश में जो खुशी की बात वर्तमान में है, वह यह है कि राज्य में निवास कर रहे लोग खुलकर बाजार से खरीदारी कर रहे हैं और प्रदेश की सकल घरेलू आय (जीडीपी) बढ़ाने में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं ।

स्वभाविक है यदि राज्य में सरकार की सोच एवं कार्य लोककल्याणकारी नहीं होते तथा रोजगार के पर्याप्त अवसर मुहैया कराने के साथ लगातार नवाचार करने में यदि भाजपा की मोहन सरकार कहीं कमजोर होती तो आज यह दृश्य उभरकर कभी सामने नहीं आता। यही कारण है कि देश में आज मध्य प्रदेश अपनी बड़ी आबादी के बाद भी उच्च पूंजीगत व्यय में या कहना होगा कि लग्जरी वस्तुओं की अधिक खपत के कारण राज्य माल और सेवा कर (एसजीएसटी) संग्रह में, कहीं अधिक वृद्धि करने में भारत के सभी राज्यों में सबसे आगे रहने में कामयाब हुआ है ।

भारत में विनिर्माण के लिए पीएलआई, राज्य प्रोत्साहन, विदेशी व्यापार नीति के तहत लाभ जीएसटी, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सेवा कर और वैट कानूनों सहित अधिकांश करों पर ग्राहकों को पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से सलाह दे रहे केपीएमजी संस्थान के राष्ट्रीय प्रमुख अभिषेक जैन की इस संबंध में कही बातों पर हमें गौर करना चाहिए, वे कहते है कि किसी राज्य के जीएसटी की वृद्धि और गिरावट का सटीक कारण बताना कठिन है, कर संग्रह दरों को प्रभावित करने के लिए कई कारक जिम्मेदार हो सकते हैं। चूंकि जीएसटी एक उपभोग-आधारित कर है, इसलिए एसजीएसटी दरें उपभोग पैटर्न में बदलाव से प्रभावित हो सकती हैं। उच्च आर्थिक क्रय शक्ति वाले राज्य और जनसंख्या आमतौर पर एसजीएसटी संग्रह को प्रभावित करने वाले कारक हैं। कई अन्य कारक भी एसजीएसटी में योगदान दे सकते हैं, जैसे सरकारी नीतियों या विनियमों में बदलाव जो राज्य में निवेश को गति देता है। अन्य प्रकार के सरकारों के सफल आर्थिक प्रयास अधिकांशतः जीएसटी की वृद्धि के कारण बनते हैं।

इस दिशा में कहना होगा कि यह मोहन सरकार की आर्थिक क्षेत्र में सकारात्मक और सही निर्णयों का ही प्रतिफल है जोकि मध्य प्रदेश ने वित्त वर्ष 24 में साल-दर-साल सबसे अधिक एसजीएसटी संग्रह में सफलता हासिल की है। पिछले वित्तीय वर्ष में दर्ज की गई 15.93 प्रतिशत की वृद्धि जहां मप्र ने अपने खाते में दर्ज की थी, वहीं, अभी उसने 19.53 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर न सिर्फ अपने ही रिकार्ड को तोड़ा है, बल्कि उत्तर प्रदेश जैसे विशाल जनसंख्या वाले राज्य जहां माल की खपत भी स्वभाविक तौर पर अधिक है, उसे भी पीछे छोड़ दिया है।

आंकड़ों को देखें तो मध्य प्रदेश के बाद दूसरे नंबर पर वित्त वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश में 18.88 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राज में यूपी ने भी बीते एक वर्ष में एकदम से लगभग चार पायदान की छलांग लगाई है। 18.58 प्रतिशत की वृद्धि के साथ तेलंगाना अगले क्रम में है। सूची में चौथे स्थान पर महाराष्ट्र है, जिसका वास्तविक रूप से एक लाख करोड़ रुपये का सबसे अधिक एसजीएसटी संग्रह रहा है और वित्त वर्ष 24 में 17.9 प्रतिशत की वृद्धि दर दिखी है। दूसरी ओर गुजरात, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, हरियाणा और कर्नाटक जैसे कई अन्य राज्यों में 15 प्रतिशत से कम वृद्धि दर्ज होते दिख रही है।

इसके साथ मध्य प्रदेश ने वित्त वर्ष 24 में अपने पूंजीगत व्यय में 97 प्रतिशत की वृद्धि की है, जो आंशिक रूप से एसजीएसटी संग्रह में उछाल आगे ले जाने में सहायक रहा है। राज्य में बड़ी आबादी को रोजगार पाने एवं उन्हें मिलने वाले वेतन में बढ़ोत्तरी को भी इससे जोड़कर देखा जा सकता है, प्रत्येक व्यक्ति और परिवार की क्रय क्षमता इसके कारण से बढ़ जाती है । इससे किसी भी राज्य की अर्थव्यवस्था को बहुत मदद मिलती है। मध्य प्रदेश के शहरों के साथ ग्रामीण क्षेत्र ने भी इस बार कर संग्रह में एक बड़ी भूमिका निभाई है। जोकि यह समझता है कि राज्य में न सिर्फ शहरों में बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रति व्यक्ति आय में लगातार अच्छी वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही पिछले दिनों मध्य प्रदेश ने वाहन खरीदी में भी अपना एक नया रिकॉर्ड बनाया, यह भी आज प्रत्येक परिवार की आर्थिक समृद्धि को दर्शा रहा है।

वस्तुतः इस मामले में आज 'बिजनेसलाइन' द्वारा देश के शीर्ष 15 राज्यों का तुलनात्मक अध्ययन एवं उसकी रिपोर्ट मध्य प्रदेश के संदर्भ में एक उत्साह जगा रही है। यदि इसी तरह से मध्य प्रदेश आगे बढ़ता रहा तो जैसा अभी कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक सभा के दौरान कहा था कि भाजपा की सरकार मप्र को देश का सबसे विकसित राज्य बनाएगी और इसके लिए हम संकल्पित हैं, तो कहना होगा कि उनका यह संकल्प साकार होने की दिशा में जरूर सफलता से आगे बढ़ता हुआ दिख रहा है।

दलितों को शंका है कि बदला जा सकता है संविधान

देश के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले दलित महसूस करते हैं कि 2024 के लोकसभा के चुनाव के बाद संविधान में परिवर्तन का प्रयास किया जा सकता है। वे यह भी महसूस करते हैं कि ऐसा न हो सके इसलिए दलितों को स्वयं को एक सूत्र में बांधना चाहिए। अभी हाल में बड़ी संख्या में दलित उस स्थान पर एकत्रित हुये थे जिसे चैत्याभूमि के नाम से जाना जाता है। यह वह स्थान है जहाँ बाबासाहेब अम्बेडकर का 1956 में मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार किया गया था। इसी स्थान पर एक 15 साल का बालक वहाँ बने एक किताब के स्टॉल से संविधान की एक प्रति खरीदता है। महाराष्ट्र में विवाह और जन्म उत्सव के दौरान संविधान की प्रति उपहार के रूप में भेंट करना लोकप्रिय हो रहा है। बालक के साथ उसके पिता भी थे। वे कहते हैं कि इस समय जारी बहस के कारण संविधान के प्रति आम लोगों में उत्सुकता बढ़ी है। वे यह स्वीकार करते हैं कि जिस संविधान को खतरा महसूस किया जा रहा है उस संविधान में परिवर्तन करना इतना सरल है? क्या परिवर्तन को उचित ठहराना संभव है?

मुद्दा

एल. एस. हरदेनिया

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

वे सत्ताधारी दल (भाजपा) द्वारा इस संबंध में जारी अभियान का उल्लेख करते हैं। वहीं विरोधी दल बार-बार यह कह रहे हैं कि संविधान बदला जायेगा। इस बहस के बीच दलित पूरी मुस्तैदी से संविधान की रक्षा के लिये एकजुट हो रहे हैं। वे ऐसा डॉ. अम्बेडकर के प्रति अपनी आस्था जोरदार ढंग से प्रगट कर रहे हें। वे इस बात को जानते हैं कि वे डॉ. अम्बेडकर ने दलितों को पहचान दी है। एक बुक स्टॉल के संचालक जिन्होंने अपने पिता से इसे पाया है कहते हैं कि संविधान हमारे देश के लोकतंत्र की आत्मा है। उसे शंका है कि जो संविधान के प्रभाव का कम करना चाहते हैं वे वास्तव में मनुस्मृति के माध्यम से समाज को हजारों वर्ष पीछे करना चाहते हैं।

एक तरफ यह बहस जारी है वहीं दूसरी ओर दलितों पर अत्याचारों में बढ़ोतरी हो रही है। उन अत्याचारों का सामना करने के लिये संगठित नेतृत्व का भारी अभाव है।

प्रसिद्ध लेखक अर्जुन डांगले कहते हैं कि भीतर ही भीतर दलितों में भाजपा के विरूद्ध भारी गुस्सा है। न सिर्फ गुस्सा है वरन् यह भावना जोर पकड़ रही है कि उनके साथ धोखा किया गया है। मुंबई के रामबाई नगर में दलितों को संगठित करने के लिये प्रचार किया जा रहा है। प्रचार के दौरान यह कहा जा रहा है कि अम्बेडकर हमारे लिये सब कुछ हैं। हम उनके द्वारा निर्मित संविधान पर किसी तरह का समझौता नहीं कर सकते। मुझे पूरा भरोसा है कि 2024 के चुनाव के बाद दलित अपने अधिकारों के लिए एक होंगे। भले ही हमारा कोई नेता हो या नहीं, दलित आंदोलन कभी एक नेता का पिछलग्गू नहीं रहता।

आम दलित यह महसूस करता है कि जब उस पर अत्याचार होता है तो उच्च जाति के लोग कम ही उसकी भर्त्सना करते हैं। अमरीका में यदि किसी नीग्रो पर जुल्म होता है तो बड़ी संख्या में वहां के गोरे उसका विरोध करते हैं। रैली निकालते हैं, जुलूस निकालते हैं। परन्तु हमारे देश में जब भी कोई दलित दबंगों की ज्यादतियों का शिकार होता है तो उच्च जाति के लोग मोन होकर देखते रहते हैं। मेरा स्वयं ऐसा अनुभव है। मैंने अपने अनेक साथियों के साथ दलितों पर हुये अत्याचारों का विरोध किया है और इस काम में राजनीतिक पार्टियों का सहयोग मांगा। मुझे कम ही मामलों में समर्थन मिला है। इस तरह के मामलों में भाजपा और कांग्रेस का रवैया लगभग एकसा ही रहता है।

यहाँ मैं अभी हाल में घटित एक घटना का उल्लेख करना चाहूंगा।

यह घटना मध्यप्रदेश की है। अशोक जिले के एक गांव में एक वृद्ध दलित दंपत्ति को खंभे से बांधकर लगातार पीटा गया। जूतों का हार बनाकर पहनाया गया। गांव में दबंगों की युवती के साथ छेड़छाड़ की गई। दबंगों को संदेह था कि इस काम में इस वृद्ध दंपत्ति के बेटे का हाथ है। यह घटना कुछ महीने पहले की थी। संदेह के आधार पर दबंगों ने दम्पत्ति पर हमला किया। उन्हें तरह-तरह के तरीकों से सताया जाने लगा। इससे परेशान होकर वृद्ध दंपत्ति अपने पूरे परिवार के साथ गाँव छोड़कर चला गया। कुछ समय बीतने के बाद वृद्ध दंपत्ति वापस आ गया। यह पता लगने के बाद लड़की के परिवार वालों ने उस 65 वर्ष के वृद्ध और उसकी 60 वर्षीय पत्नी को एक खंभे से बांधा और लगातार उनकी पिटाई की और जूतों का हार पहनाया गया।

पत्रकारों से बात करते हुए वृद्ध ने बताया कि जब हम वापस आये तो 10-12 लोग हमारे घर में घुस गये। हमें पीटने लगे। हमें रस्सी से बांधा और अपने घर ले गये। उसके बाद उन्होंने हमें एक खंभे से बांध दिया। उन्होंने हमें बहुत मारा और फिर जूतों का हार पहनाया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। जिसने हमें उनके चंगुल से छुड़ाया गया। इसके अतिरिक्त इन लोगों ने हमारी फसल नष्ट कर दी और हमारे घर का ताला तोड़कर जो कुछ था उसे भी नष्ट कर दिया।

इस तरह की घटना आये दिन समाचार पत्रों में पढ़ने को मिलती हैं। इनकी बहुसंख्यक समाज निंदा नहीं करता है। यदि सर्वाधिक चिंता की बात है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

हीट वेव ने उतारी, लू की लू

लोग भीषण गर्मी की लहरों से जूझ रहे हैं और सियासी तपिश में चुनावी सरगर्मी में आरोप प्रत्यारोप में अनेक राजनेता भी झुलस रहे हैं। गर्मी का सितम और चुनावी हाई टेंशन में अनेक दिग्गज माननीय टेंशन में आ गए हैं। गर्मी के प्रचंड तेवर के कारण मॉर्निंग वाकियो ने भी सूरज अपने घोड़ों को अस्तबल से निकाल कर हवा में दौड़ा कर हिट वेव में तब्दील करें उसके पहले पसीना पोछते-पोछते घर पहुंचने लगे हैं। लेकिन सूरज के तेवर बताने के पहले पं शिवनारायण जी मॉर्निंग वॉक में भीषण गर्मी की गर्म हवा की लपट में चुनाव को लपेटे में लेते हुए बोले अरे अभी तक हमने गर्मी में,लू ,लगने का सुना था लेकिन अब तो मीडिया ने, लू, की सहेली, हीट वेव,शब्द का इस्तेमाल कर लू को लो प्रोफाइल कर ,लू, की ही लू उतार दी।

पण्डित जी बोले हीट वेव जब चली तो बढ़ते पारे ने हीट स्ट्रोक ,हिट सेंटर के हंटर भी लगना शुरू कर दिए। उन्होंने ने हीट, हॉट ,हिट फिट की चर्चा करते हुए लू शब्द की लू उतार जाने पर अपना क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा मेरे गांव के अंबाराम जी एक दिन गमछा बाँधो गर्मी से जूझकर मिले और बोले पंडित जी क्या लू की जगह किसी और ने ले ली है। न तो अखबारों में न मीडिया में, लू, चर्चा में है, उस पर वे बोले लू तो खत्म नहीं हुई लेकिन लू की सहेली हीट वेव ने हिट कर दिया है । पहले लू देसी ,गांव वाली भाषा में लगती थी, लेकिन अब तो लू ने अंग्रेजी ताना बाना बुन कर वह हीट वेव हो गई है। लेकिन जब से माननीय अपने विरोधी की, नेता अपने विपक्षी की, अधिकारी अपने मातहत की,व्यापारी अपने मुनीम की, कर्मचारी अपने प्यून की,मेमसाब अपने साहब की, गर्लफ्रेंड अपने इश्क जादे की,बड़े साहब छोटे साहब की लू उतारने लगे है... लू, दुबक गई है। और अभी तो चुनावी सर गर्मी है इस गर्मी में पक्ष विपक्ष एक दूसरे की जमकर लू उतार रहे हैं ।वे बोले चुनाव में चुनावी हवा आंधी में तब्दील होती है तो अच्छे खासे की ,पुराने नए राजनीतिक दलों की लू उतर जाती है । चुनावी लू के थपेड़ों से थप्पड़ खा जाते हैं ,तो कई लू के थपेड़ो से बचने के लिए जिस तरह गमछे से,दुपट्टे से,गॉगल से, स्कार्फ बांध कर बहरूपिया बन जाते हैं । पंडित जी बोले एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाने वाले लू से बचने की तरह स्वांग भी बदल लेते हैं ।

वे बोले लू से तो केवल लू ही उतरती थी लेकिन जब से हिट वेव चली है कहीं इलाके हिट सेंटर बन गए हैं । वैसे भी जब गर्मी अपना रौद्र रूप बताती है तो बैरोमीटर पारे को पार करने के लिए उतावलापन बताता है । लू के चलने पर पहले न अलर्ट जारी होते थे लेकिन हीट वेव के चलने पर अब अलर्ट जारी हो रहे हैं और सियासी गर्मी के कारण कई नेता अलर्ट हो रहे हैं । तो कई हिट हो रहे हैं। घनी बस्ती वाले इलाकों में हीट आईलैंड भी बन रहे है ।

वे बोले कोई हीट वेव के लिए मुए ,ऐसी ,की ऐसी तैसी करने का जिक्र करते हैं । वे बोले अभी तक लू का रूप लेकर हवा भांति भांति के रूप में मिल जाती थी। चुनाव में जीतने वालों के पीछे कोई लहर ही होती थ। कई ऐसे चतरे चेहरे है जो हवा का रुख भांपकर गले में दुपट्टा का रंग पलट देते हैं । पंडित जी बोले हीट वेव जब हीट स्ट्रोक मारती है तब हीट वाले राज्य बन जाते है और उनके हीट सेंटर पर हीट के हंटर पड़ने लग जाते है।

पंडित जी हीट वेव को हिट विकेट करते-करते घर पहुंचने वाले थे की पसीने से तरबतर हो गए ।बोले लू तो उतरती और उतारी जाती थी लेकिन साले हीट वेव अपने नए-नए वेरिएंट में आकर आग उबाल रही है। हिट वेव किन-किन हीट सेंटर पर हीट स्ट्रोक मार देगा इसका कोई ठिकाना नहीं है। और हां चुनावी साल में जिन नेताओं की लू उतरती थी, वे हीट वेव की तरह हिट हो रहे है। और केवल मोदी वेव यानी लहर पर सवार होकर चुनावी वैतरणी पार कर रहे है और हीट वेव अपनी वेव से लू की लू उतार रही है!

जलसंकट

रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून

पानी हमारे जीवन के लिए एक ऐसी ही जरूरी चीज है जो यों तो हमे ईश्वर प्रदत्त है, आज बहुतायत से उपलब्ध भी है मगर दिनों दिन बदलते पर्यावरण चक्र,कम होती बारिश, सूखते जलाशयों और दिनोंदिन गिरते भूजलस्तर को देखते हुए वो दिन दूर नहीं जब पानी हमारे लिए बेहद कीमती हो जाने वाला है। पानी का मोल हमें तब समझ आता है जब हमारी जरूरत के समय पानी उपलब्ध नहीं होता। फिर बोरिंग या जलस्रोत सूख जाने के कारण हो या नल न आने के कारण। अभी किसी समाचार पत्र में एक खबर पढ़ी थी कि दक्षिण अफ्रीका की राजधानी केपटाउन को दुनिया का पहला जलविहीन शहर घोषित किया गया है क्योंकि वहां की सरकार ने अप्रैल 23 के बाद पानी की आपूर्ति करने में असमर्थता दिखाई है। वहां नहाने पर रोक लगाई गई है और 10 लाख से अधिक कनेक्शन कटे गये है। जैसे हमारे यहाँ पेट्रोल पम्प जाकर पेट्रोल खरीदा जाता है वैसे ही वहां टैंकरों से अधिकतम 25 लीटर पानी देने की तैयारी है। अगर तो ये खबर सच्ची है तो स्थिति की भयावहता और आने वाले कल का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

मोहन वर्मा

लेखक पत्रकार हैं।

एक बहुत ही मशहूर ग़ज़ल की बेहद खूबसूरत पंक्तियाँ है-दुनिया जिसे कहते है जादू का खिलौना है, मिल जाये तो मिट्टी है खो जाये तो सोना है। यदि यहां दुनिया की जगह हर उस किसी भी चीज को रखकर देखें जो मिल जाने पर हम उसकी कदर नहीं करते है और खो जाने पर बैचेन हो जाते है तो हम समझ सकते है कि समय रहते हर चीज की कद्र करना कितना जरूरी है। कवि रहीम ने सैकड़ों साल पहले अपने दोहे में कहा था- रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून, पानी बिना न उबरे, मोती,मानुस, चून ...

पानी हमारे जीवन के लिए एक ऐसी ही जरूरी चीज है जो यों तो हमे ईश्वर प्रदत्त है,आज बहुतायत से उपलब्ध भी है मगर दिनों दिन बदलते पर्यावरण चक्र,कम होती बारिश, सूखते जलाशयों और दिनोंदिन गिरते भूजलस्तर को देखते हुए वो दिन दूर नहीं जब पानी हमारे लिए बेहद कीमती हो जाने वाला है। पानी का मोल हमें तब समझ आता है जब हमारी जरूरत के समय पानी उपलब्ध नहीं होता। फिर बोरिंग या जलस्रोत सूख जाने के कारण हो या नल न आने के कारण।

अभी किसी समाचार पत्र में एक खबर पढ़ी थी कि दक्षिण अफ्रीका की राजधानी केपटाउन को दुनिया का पहला जलविहीन शहर घोषित किया गया है क्योंकि वहां की सरकार ने अप्रैल 23 के बाद पानी की आपूर्ति करने में असमर्थता दिखाई है। वहां नहाने पर रोक लगाई गई है और 10 लाख से अधिक कनेक्शन कटे गये है। जैसे हमारे यहाँ पेट्रोल पम्प जाकर पेट्रोल खरीदा जाता है वैसे ही वहां टैंकरों से अधिकतम 25 लीटर पानी देने की तैयारी है। अगर तो ये खबर सच्ची है तो स्थिति की भयावहता और आने वाले कल का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

पानी की आने वाले सालों में कमी,गिरते जलस्तर और पानी बचाने की तमाम चेतावनियों के बावजूद आम लोगों में पानी बचाने और पानी का दुरुपयोग रोकने को लेकर जरूरी जागरूकता नज़र नहीं आती। आज भी आये दिन ऐसी खबरें हमारे सामने आती रहती है जो पानी की परेशानी से रोजाना दो दो हाथ करती महिलाओं और बेटियों की बड़ी संख्या के बारे में हमें चेताती है जो कई कई किलोमीटर दूर से परिवार के लिए दो बर्तन पानी लाने को मजबूर है।

पर्याप्त पानी होने पर जो लोग गाड़ी धोते,ब्रश या शेव करते समय,या बिना कारण पानी का दुरुपयोग करते है

उन्हें यह बताना प्रासंगिक होगा कि मुंबई जैसे महानगर के नब्बे वर्षीय आबिद सूरती हर रविवार अपने जैसे सीनियर सिटीजन्स की टीम के साथ हर घर का दरवाजा खटखटाते है और पूछते है कहीं नलों से पानी टपकने की शिकायत तो नही है। और जवाब हां में आने पर उनकी टीम निःशुल्क नल दुरस्त करके एक एक बूंद पानी बचाने का पुण्य काम कर रही है। आज से नहीं बरसों से। क्या इससे सबक नहीं लिया जा सकता ?

भूजलविदों के अनुसार देश के 21 से अधिक बड़े शहर ग्राउंड वाटर की समाप्ति के कगार पर है। सन् 2050 तक पानी की मांग इसकी पूर्ति से अधिक हो जाएगी यानी अगले 25 साल बाद पानी को लेकर बड़ा संकट खड़ा होने के आसार है। कृषि, उद्योग, बिजली और सबसे पहले घरेलू जरूरतों के लिए पानी बेहद आवश्यक है। आज जल संरक्षण और जल संचयन के साथ पानी का पुनरुपयोग प्राथमिकता पर किया जाना जरूरी है।

आज भले हमें पर्याप्त पानी उपलब्ध हो मगर देश के कई हिस्सों में पानी की कमी और पृकृति प्रदत्त अनमोल पानी के लिए जूझते और संघर्ष करते लोगों के समाचारों को पढ़कर तो हमें आने वाले समय के लिए सचेत होने की जरूरत है। यहाँ वहां बेकार बहते बेतहाशा पानी को देखकर अनदेखा करने का समय नहीं हैं। न केवल पानी बल्कि पेड़ नदी, जंगल, पहाड़,जैसी प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण की भी जरूरत है। विकास के नाम पर खड़ी सीमेंट की अट्टालिकाएं, कटते पेड़, धंसते पहाड़,प्रदूषित होती नदियाँ बार बार हमें अपने भविष्य के लिए सचेत करने की कोशिश कर रही है जिन्हें अनसुना कर के हम अपने ही पांवों पर कुल्हाड़ी मार रहे है

जलस्रौतों का संरक्षण,उन्हें दूषित होने से बचाना, पौधारोपण, वाटर हार्वेस्टिंग, जैसी बड़ी जरूरतों के साथ हमें पानी बचाने के लिए छोटे छोटे कदम उठाना भी जरूरी है जैसे आरओ फ़िल्टर से बचे वेस्ट पानी का पुनरुपयोग, नहाने के समय वेस्ट होते पानी का पुनरुपयोग, शेव या ब्रश करते समय बेसिन का नल बन्द रखकर मग्गे का उपयोग,टपकते नलों को समय रहते ठीक करवा कर बूंद बूंद पानी बचाकर हम अगली पीढ़ी को अमूल्य उपहार दे पाएंगे।

संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस पर विशेष

विश्व शांति में शांति रक्षकों की भूमिका

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संयुक्त राष्ट्र एक ऐसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो अपनी स्थापना के बाद से ही विश्व शांति के साथ-साथ मानवाधिकार, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति तथा अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को सुविधाजनक बनाने के लिए कार्यरत रहा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 29 मई 1948 को पहला संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन स्थापित किया गया था। उस समय इजरायल तथा अरब देशों के बीच फैली अशांति को दूर करने के लिए वहां यूएन द्वारा शांति रक्षक सैनिकों की तैनाती की गई थी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, यूरोप तथा मध्य पूर्व में 71 शांति अभियानों की स्थापना की गई। दुनियाभर में शांति बहाल करने में संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षकों की अहम भूमिका रहती है, जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपनी जान दांव पर लगाकर कार्य करते रहे हैं और फिलहाल विश्वभर में एक लाख से भी अधिक पुरूष व महिला बतौर शांति रक्षक यूएन के शांति अभियानों में संलग्न हैं। संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन में सबसे ज्यादा संख्या इथोपिया और बांग्लादेश के शांति रक्षकों की है और इन दोनों देशों के बाद इसमें सर्वाधिक योगदान देने वाले देशों में भारत है। फिलहाल सात हजार से भी अधिक भारतीय सैन्य और पुलिस जवान अफगानिस्तान, कांगो, हैती, लेबनान, लाइबेरिया, मध्य पूर्व, साइप्रस, दक्षिण सूडान, पश्चिम एशिया और पश्चिम सहारा में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनों में शांति रक्षा के लिए तैनात हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2002 में प्रस्ताव संख्या ए/ईएस/57/129 के जरिये आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए पहली बार 'शांति रक्षा मिशन' को अधिकार दिए गए और 29 मई को 'शांति रक्षक दिवस' के रूप में नामित किया गया, तभी से प्रतिवर्ष इसी दिन को 'संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की अपनी कोई स्वतंत्र सेना नहीं होती और शांति रक्षा का प्रत्येक कार्य सुरक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित होता है। यूएन के शांति रक्षा कार्यों में भाग लेना वैकल्पिक होता है और कनाडा तथा पुर्तगाल ही विश्व में अब तक सिर्फ दो ऐसे देश हैं, जिन्होंने प्रत्येक शांति रक्षा अभियान में हिस्सा लिया है। शांति रक्षक दल संयुक्त राष्ट्र को उसके सदस्य देशों द्वारा प्रदान किए जाते हैं, जो प्रायः ऐसे क्षेत्रों में भेजे जाते हैं, जहां हिंसा कुछ समय पहले से बंद है ताकि वहां शांति संघ की शर्तों को लागू रखते हुए हिंसा को रोककर रखा जा सके।

यूएन का शांति रक्षा मिशन इस साल अपनी 76 वीं सालगिरह मना रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस का कहना है कि दुनिया भर में हिंसक संघर्षों में फंसे लाखों लोगों के लिए शांति रक्षा एक आवश्यकता एवं आशा है तथा शांति रक्षा को और ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए जरूरत है कि हम सब मिलकर इसके लिए काम करें ताकि लोगों को सुरक्षा दी जा सके और शांति को बढ़ावा मिल सके। उनका कहना है कि वैश्विक शांति और सुरक्षा में संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा एक अहम निवेश है लेकिन इसके लिए मजबूत अंतर्राष्ट्रीय संकल्प चाहिएं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'एक्शन फॉर पीस कीपिंग' पहल की शुरूआत की गई है, जिसका मूल उद्देश्य यूएन मिशनों को मजबूत, सुरक्षित और भविष्य के लिए उपयुक्त बनाना है। अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस वैश्विक शांति के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले ऐसे संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों की स्मृति के सम्मान में मनाया जाता है, जिन्होंने शांति स्थापना में अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। इस दिन संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रबंधन कार्यों में अपने उच्च स्तर की व्यावसायिकता, समर्पण और साहस का प्रदर्शन करते अपनी जान गंवाने वाले शांति रक्षकों को श्रद्धांजलि दी जाती है। शांति रक्षकों को मरणोपरांत 'डैग हैमारस्जोल्ड मैडल' प्रदान किया जाता है। यह पदक कर्तव्य निर्वहन के दौरान अदम्य साहस और बलिदान के लिए दिया जाता है। इस सम्मान की स्थापना वर्ष 2000 में संयुक्त राष्ट्र के दूसरे महासचिव डैग हैमारस्जोल्ड की स्मृति में की गई थी, जिनकी 1961 में एक विमान हादसे में मौत हो गई थी। शांति रक्षक अत्यधिक जोखिम उठाते हुए प्रतिदिन विभिन्न देशों में पुरूषों, महिलाओं और बच्चों की हिंसा से रक्षा करते हैं। यूएन के पिछले 76 वर्षों के शांति रक्षक अभियानों में जहां अब तक दुनियाभर के चार हजार से भी ज्यादा शांति रक्षकों ने अपने प्राणों की आहूति दी, वहीं इनमें भारत के शहीद हुए शांति रक्षकों की संख्या करीब दो सौ है, जो किसी भी अन्य देश के मुकाबले सर्वाधिक है।

सीएम की सीख से उज्जैन बना नजीर

दृष्टिकोण

मनोज कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

महाकाल की नगरी उज्जैन हमेशा से अपने शहर के प्रति संवेदनशील रहा है. उज्जैन का हर नागरिक इस बात को लेकर चिंता करता है कि उसके शहर का विकास कितनी द्रुत गति से हो. विकास के इस सिलसिले में वे बिना किसी राग-द्वेष और आपसी मनमुटाव के सब एक हो जाते हैं. साम्प्रदायिक सौहार्द्र इस शहर की पहचान है. यह शहर मोहन भैया का शहर है. आज मोहन भैया मध्यप्रदेश के मुखिया बन गए हों लेकिन उज्जैन के हर एक नागरिक के लिए वे हमेशा उपलब्ध हैं. मोहन भैया मंत्री रहें हो, संगठन में काम करते रहे हों या छात्र जीवन में कॉलेज का नेतृत्व करते रहे हों, उन्होंने सबको एक ही मैसेज दिया है कि सबसे ऊपर आपसी मेल-जोल और साम्प्रदायिक सौहार्द्र की मिसाल बन जाना.

इस महीने उज्जैनवासियों के लिए इम्तहान का समय आ गया था जब शहर के केडी मार्ग चौड़ीकरण के लिए धार्मिक स्थलों को हटाया जाना जरूरी हो गया था. उज्जैन ही नहीं, पूरा प्रदेश हैरान था कि शहर के विकास के लिए सभी धर्मों के लोग एकत्रित होकर स्वेच्छा से हटाना मंजूर कर लिया. रत्तीभर कोई आवाज विरोध में नहीं उठा बल्कि उठे तो हजारों हाथ उज्जैन के विकास के लिए. केडी मार्ग चौड़ीकरण के लिए आपसी सामंजस्य एवं समन्वय से शांतिपूर्वक धार्मिक स्थलों को लोगों द्वारा स्वेच्छा से हटाना विकास की दिशा में सांप्रदायिक सौहार्द्र का उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत करता हैं. सबसे उल्लेखनीय पक्ष यह रहा कि एकाध धार्मिक स्थल को हटाने का मसला होता तो बात कुछ और होती, यहां तो 18 धार्मिक स्थलों को हटाया जाना था. मोहन भैया का गुरुमंत्र काम आ गया और लोगों ने शांति और सामंजस्य से एक अनुकरणीय पहल की. यह पहल उज्जैन ही नहीं, पूरे देश के लिए नजीर बन गया.

ऐसा नहीं है कि धार्मिक स्थलों को हटाने के लिए पहुंचे जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम की संयुक्त टीम की पेशानी पर शिकन ना हो लेकिन उन्हें भी उज्जैनवासियों पर पूरा भरोसा था. प्रशासन की इस कार्यवाही में केडी गेट तिराहे से तीन इमली चौराहे के जद में आने वाले 18 धार्मिक स्थलों को जनसहयोग से शांतिपूर्वक ढंग से हटाने की कार्रवाई की गई है. इस कार्य में धार्मिक स्थलों के व्यवस्थापकों, पुजारियों और लोगों द्वारा दिल से सहयोग किया गया. जिन 18 धार्मिक स्थलों को हटाया गया उनमें 15 मंदिर, 2 मस्जिद, एक मजार हैं. केडी चौराहे से पीछे करने और अन्यत्र स्थापित करने की कार्यवाही की गई हैं। हटाई गई प्रतिमाओं को प्रशासन द्वारा धार्मिक स्थलों के व्यवस्थापकों द्वारा बताए गए निर्धारित स्थान पर विधि विधान से स्थापित किया गया. साथ ही 20 से अधिक भवन जिनका गलियारा आगे बढ़ा लिया गया था। ऐसे भवनों के उस हिस्से को भी भवन स्वामियों द्वारा स्वेच्छा से तोड़ने की कार्यवाही की गई.

यह कार्यवाही में प्रशासन ने भी संवेदनशीलता का परिचय दिया और किसी की भावना को ठेस ना पहुंचे, इस बात का खास खयाल रखा गया. कलेक्टर नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के निर्देशानुसार धार्मिक स्थलों को हटाने से पूर्व और दौरान प्रत्येक संप्रदाय के व्यवस्थापकों और प्रमुख लोगों से चर्चा की गई और समन्वय स्थापित किया गया. इस सहमति के बाद ही धार्मिक स्थलों को हटाने और अन्यत्र स्थापित करने की कार्यवाही की गई. इतनी बड़ी संख्या में धार्मिक स्थलों को हटाए जाने पर सुई पटक सन्नाटा ने लोगों और प्रशासन के भीतर यह भाव भर दिया कि सूझबूझ से काम किया जाए तो सब संभव है और अपने शहर के विकास के प्रति लोगों की चिंता और लगाव देखने को मिला.

पर्यावरण संरक्षण घरेलू स्तर पर

पहल

सपना सीपी.साहू 'स्वप्निल'

लेखक स्तंभकार हैं।

जिस आवरण का हमारी दशो दिशाओं में फैलाव है, वहीं हमारा पर्यावरण है। इसे संरक्षित करना हमारा कर्तव्य ही नहीं संस्कार है। हमारा प्राकृतिक आवरण हमें जनम से मरण तक अन्न, जल, शुद्धवायु, प्राकृतिक ऊर्जा आदि देता रहता है। हम अपने स्वार्थ से वशीभूत प्रकृति के अमूल्य रत्नों का उपयोग तो कर रहे है, पर उन्हें पुनः लौटा नहीं पा रहे हैं। हम जल, वायु, ध्वनि, मृदा प्रदूषण निरंतर बढ़ा रहे है। हम तो क्लोरो -फ्लोरो कार्बन के उपयोग से ओजोन परत तक को क्षति पहुँचा चुके है।

अगर हम जागृत नहीं हुए तो वह दिन दूर नहीं होगा जब हर दिशा में त्राहिमाम्-त्राहिमाम् वाली स्थिति होगी जो हम करोना काल में देख भी चुके है वह और बढ़ जाएगी। ऐसे में हमारी प्रकृति हेतु निष्ठा अधिक बढ़ जानी चाहिए कि हम ज्यादा नहीं तो अंशमात्र तो पुनः संरक्षण द्वारा लौटाए ही। हम सोचते है कि हमारे अकेले के या एकमात्र घर में उपाय कर लेने से क्या हो जाएगा? पर हमें नहीं भूलना चाहिए कि एकल प्रयास ही धीरे-धीरे जागरूकता लाते है और वृहद रूप लेकर सामूहिक बन जाते हैं। तो सबसे पहले हमें घरेलू स्तर पर सजावट के लिए प्लास्टिक के शो पीसो की जगह सुंदर घरेलू जीवंत पौधे लगाना चाहिए। हमारे पास आँगन या आसपास खुली जगह हो तो आँवला, तुलसी, नीम, बड़, पीपल, आम, जाम, फूलों में गुलमोहर, सेमल, हारश्रंगार आदि जैसे वृक्षों को रोपना चाहिए क्योंकि यह वृक्ष कम देखभाल में भी अच्छे से फलते-फूलते है। अगर आसपास खाली जगह नहीं हो, तो भी रसोई हेतु साग भाजी की बागवानी (किचन गार्डन), छत पर फूल वाले पौधों की बागवानी करना घरेलू स्तर पर पर्यावरण की दिशा में उठाया जाने वाला सार्थक कदम हो सकता है। इस उपाय से प्राणवायु के साथ जैविक साग-भाजी की आपूर्ति से स्वस्थ रहने में तो मदद मिलेगी ही, साथ ही हम इन पर होने वालेझ व्यय की बचत कर सकते हैं।

इसके अलावा हमें प्लास्टिक की थैलियों, पानी की बोतलों के प्रयोग पर भी नियंत्रण करना चाहिए। इसके लिए हमें किचन में पेपर रोल की जगह रूमाल का प्रयोग करना चाहिए। प्लास्टिक की बोतल का खरीदा पानी पीने से बचना चाहिए और पानी की बोतल के रूप में धातु की बोतल में घर से पानी लेकर निकलना चाहिए। प्लास्टिक की थैलियों का कम से कम प्रयोग या पूर्णतया निषेध करना चाहिए। इनमें सामान लेने की जगह अपने साथ जूट या कपड़े का बैग रखें। हमें प्लास्टिक की बोतलों में बंद सामान खरीदने की बजाय काँच, मेटल आदि में सामान लेना चाहिए। इसके अतिरिक्त घर का सामान भी ज्यादा मात्रा में लेकर रखने से प्लास्टिक पैकेजिंग पर नियंत्रण लगा सकते है। घर के कबाड़ और कचरे को भी गीले-सुखे कचरे के रूप में अलग-अलग रखने का नियम बनाना चाहिए। पेपर, गत्ते का, प्लास्टिक की सामग्री का पुर्नउपयोग किया जा सकता है तो इसे रिसायकल के लिए कबाड़ी को दिया जा सकता है। गीला कचरा जैसे चायपत्ती, फल-सब्जियों के छिल्के का प्रयोग जैविक (आर्गेनिक) खाद बनाने में किया जा सकता है। हमें पुरानी किताबें, कपड़े, जूते आदि जैसी पुनर्उपयोग में लाई जा सकने वाली सामग्री को घर-परिवार, मित्रों या जरूरतमंद को बाँटने की आदत डालनी चाहिए।

हमें घर में उपयोग न होने पर लाइट, पंखें, टी.वी., लैपटॉप बंद रखने चाहिए। घर के फ्रिज को बार-बार खोलने से बचना चाहिए। मसाले आदि को पीसने के लिए भी जहाँ मसाले कूटकर और किसकर काम में ले सकते हो तो ऊर्जा की बचत करना चाहिए।

हमें टी.वी., म्यूजिक सिस्टम व अन्य इलेक्ट्रीक गेजेट्स भी याद से बंद करना चाहिए। इससे बिजली की बचत तो होगी ही साथ में घर में होने वाला ध्वनि प्रदूषण भी नियंत्रित रहेगा। हमें कोशिश करना चाहिए कि बिजली के बिल में कटौती हो सके इसके लिए हमें लाइट, एसी, कूलर, हीटर, वॉटर प्यूरिफायर, गीजर आदि का प्रयोग भी सावधानी से जरूरत के हिसाब से करना चाहिए जैसे कमरे का तापमान सहीं हो जाने पर एसी, कूलर बंद कर दें।

घर में बल्ब वगैरह को साफ रखें ताकि वे धूंधली रोशनी न दे और कम लाइट में ही उजाला भरपूर रहे। सीएफएल, एलईडी लाइट के प्रयोग से भी ऊर्जा की बचत की जा सकती है। हवा और रोशनी का पाने का सबसे अच्छा विकल्प है कि घर के खिड़की दरवाजें खूले रखे जाए।

पानी गर्म करने के लिए सोलर वॉटर हीटर लगवा सकते है। ऋह की जगह ख़ वॉटर प्यूरीफायर का उपयोग कर सकते है क्योंकि ऋह पानी साफ करने में एक तिहाई पानी बहा देता है।

हमें घर का फर्श धोने की जगह गीले कपड़े से पोछना चाहिए, कार आदि वाहन भी नर्म व गीले कपड़े से पोछना चाहिए। घर के नल आदि खराब होने पर उन्हें तुरंत ठीक करवाना चाहिए। इसके अतिरिक्त घर के बर्तन धोने, नहाने, कपड़े धोने, बाथरूम व शौचालयों को साफ करने में बहुत पानी उपयोग होता है तो इन सबके लिए भी बाल्टी, टब में पानी लेकर उपयोग करना चाहिए। शौचालयों में फ्लश करने की जगह बाल्टी-मग से पानी डालना चाहिए। इसके अतिरिक्त सप्ताह में एक दिन भी पोछा लगाकर बाथरूम साफ करने की आदत बनाना चाहिए। कपड़े अगर वॉशिंग मशीन में धोना है तो इकट्ठे करकर धोना चाहिए। बोरिंग के पानी के लिए भी पानी की टंकी बनाना चाहिए ताकि बार-बार बोरिंग चालू करने से बचा जा सके। सबसे बड़ा उपाय जल संरक्षण हेतु वॉटर हार्वेस्टिंग का विकल्प चुनना चाहिए। इसमें बरसात का पानी पुनः जमीन को नमी से भरता है। घर में कीटनाशक दवाईयों, रूम फ्रेशनर के प्रयोग से भी बचना चाहिए। इसका विकल्प भी खिड़की-दरवाजे खोलने के अलावा कंडे, कपूर, लोभान, सुंगधित धूप का धुँआ हो सकता है। इसके अलावा भी सबसे ज्यादा जरूरी है कि लकड़ी को जलाने से बचना चाहिए। हवन आदि के लिए भी पवित्र गोबर से बनी लकड़ी और कंडों का प्रयोग किया जाना चाहिए। घर में जब कभी छोटे मिलन समारोह रखे जाए तो डिस्पोजल और थर्मोकोल के बर्तनों की जगह स्टील के बर्तन प्रयोग में लाना चाहिए। आजकल तो पानी पिलाने के लिए ताँबे के कलश रख दिए जाते है जो बहुत अच्छा प्रयोग है।

इन सबके साथ ही हमें पेट्रोल, ईंधन और गैस बचाने की दिशा में भी कदम बढ़ाने चाहिए। हमें गैस की बचत के लिए खाना बनाते समय पहले ही पूर्व तैयारी कर लेनी चाहिए। उदाहरण के लिए आटा गूँथना, सब्जी सुधारना और मसाले पास में रखना आदि। लाइटर की जगह माचिस से गैस जलाना चाहिए। सबसे अच्छे विकल्प के रूप में अभी पीएनजी गैस कनेक्शन लगवा सकते है। इसमें यूनिट के हिसाब से बिल आता है और पर्यावरण हितैषी भी है। हमें एक ओर घरेलू स्तर पर पेट्रोल बचाने के लिए कम दूरी पैदल चलकर, थोड़ी दूरी सायकल तो अधिक दूरी के लिए सार्वजनिक वाहन का प्रयोग करना चाहिए। यह सब छोटे-छोटे उपाय पर्यावरण के संरक्षण में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। हम व्यक्तिगत रूप से इन उपायों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाकर पर्यावरण को स्वच्छ, सुंदर व सुखद अनुभूतियों से भर सकते हैं। इन प्रयासों से जो ऊर्जा की बचत होगी उससे हमारा आज और आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुखद बनेगा। अंत में इतना ही कि कम पानी, कम बिजली, कम करें ईंधन प्रयोग। अधिक वृक्षारोपण देगा प्रकृति संरक्षण में योग।

ट्रेचिंग ग्राउंड में खतरे के मुहाने पर आधा सैकड़ा जिंदगी

सिंगल यूज प्लास्टिक, गीला-सूखा कचरा अलग करने वाले मजदूरों की न सुरक्षा का ध्यान, न स्वास्थ्य की परवाह

बैतूल। नगर पालिका के ट्रेचिंग ग्राउंड की तस्वीरें यकीनन शहर के सैकड़ों मजदूरों के जीवन का वह आईना है जिसमें दुत्कार और घृणा भरी हुई है। इन तस्वीरों में जोखिम और जीवन पर संकट भी है जो शायद न तो नगर पालिका को नजर आ रहा है और न ट्रेचिंग ग्राउंड पर कचरा प्रबंधन की जिम्मेदारी लेने वाले ठेकेदार को। शहर से सटे ग्रामीण क्षेत्र गौठाना में प्रतिदिन सैकड़ों टन कचरा डोर टू डोर कलेक्शन कर कचरा संग्रहण गाडियों एवं ट्रेक्टरों के माध्यम से डम्प किया जा रहा है। इस ग्राउंड पर नगर पालिका द्वारा गीला-सूखा कचरा एवं सिंगल यूज प्लास्टिक अलग करने का ठेका दिया है। ठेकेदार द्वारा जिन मजदूरों के माध्यम से कचरे का प्रबंधन किया जा रहा है वह सवालों के घेरे में है। नगर पालिका और ठेकेदार दोनों ही ट्रेचिंग ग्राउंड पर कचरा प्रबंधन में प्रयुक्त मजदूरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे है। इन मजदूरों में छोटे बच्चे, महिला, पुरुष और बुजुर्ग तक शामिल है..ये मजदूर दो जून की रोटी के लिए सुबह होते ही कचरे और कबाड़ में जिदंगी तलाश करते नजर आते है, लेकिन सच यही है कि जिस ट्रेचिंग ग्राउंड को ये अपनी जीविका उपार्जन का जरिया बनाएं हुए है वहीं ट्रेचिंग ग्राउंड उनके जीवन के लिए सबसे बड़ा जोखिम साबित हो सकता है, सिर्फ ठेकेदार और नगर पालिका के जिम्मेदारों की लापरवाही की वजह से।

कचरे और मलबे में बिना सुरक्षा घंटों रहते है मजदूरः नगर पालिका के गौठाना स्थित ट्रेचिंग ग्राउंड में रोजाना सैकड़ों क्विंटल कचरा डम्प किया जा रहा है। इस कचरे का प्रबंधन खासतौर से सिंगल यूज प्लास्टिक, कबाड़ एवं अन्य सामग्री को अलग करने का काम यहां नगर पालिका ने ठेके से दिया है। करीब 50 मजदूरों के माध्यम से ठेकेदार द्वारा गीला सूखा कचरा अलग करने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक को अलग करने का काम कराया जाता है। 15 एकड़ में फैले कचरे के ढेर, मलबा, गंदगी, बदबू आदि के बीच मजदूर बिना जूते, हैंड ग्लब्स, बिना मास्क एवं अन्य किसी सुरक्षा साधनों के बिना दिन भर कचरे में काम की चीजे तलाश करते है। मजदूरों द्वारा संग्रहित किया गया प्लास्टिक एवं कबाड़ बेचकर ठेकेदार तो मोटा मुनाफा कमा रहे है लेकिन अपने फायदे के लिए मजदूरों की जान जोखिम में डालकर खिलवाड़ किया जा रहा है।

ठेकेदार से नहीं मिलते सुरक्षा उपकरण,नगर पालिका का भी नहीं ध्यानः ट्रेचिंग ग्राउंड पर सिंगल यूज प्लास्टिक अलग करने वाले मजदूर धनराज एवं सोनू बताते है कि उन्हें ठेकेदार और नगर पालिका द्वारा कभी भी कोई सुरक्षा उपकरण प्रदान नहीं किए गए। यहां बच्चे, महिलाएं एवं पुरुष सभी बिना जूते, बिना ग्लब्स और बिना मास्क लगाएं दिन भर कचरा अलग करते है। जबकि ठेकेदार द्वारा ट्रेचिंग ग्राउंड पर तैनात कर्मचारी अंकुश राठौर का कहना है कि मजदूरों को सभी सुविधाएं दी जाती है, वे ही इन साधनों का उपयोग नहीं करते। इसके अलावा कचरे पर रसायनों का छिड़काव किए जाने का भी दावा उनके द्वारा किया जा रहा है। हैरत की बात तो यह है कि नगर पालिका सीएमओ से लेकर स्वच्छता शाखा के जिम्मेदार भी इतनी बड़ी लापरवाही से अनजान है।

कचरा बेचने की वैकल्पिक व्यवस्था

नगर पालिका के स्वच्छता निरीक्षक संतोष धनेलिया की माने तो यह नगर पालिका द्वारा की गई वैकल्पिक व्यवस्था है। ट्रेचिंग ग्राउंड में कचरा प्रबंधन का यह ठेका नहीं है। कबाड़ी द्वारा फिलहाल ट्रेचिंग ग्राउंड से कबाड़, सिंगल यूज प्लास्टिक संग्रहित कराया जाकर उसे खरीदा जाता है। इसके एवज में नगर पालिका को कबाड़ी से 40 हजार रुपए प्रतिमाह प्राप्त होते है। ट्रेचिंग ग्राउंड में कचरा एकत्रित हो रहा था, इसलिए यह वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

इनका कहना...

ठेकेदार नया है। उसे मजदूरों की सुरक्षा के संबंध में निर्देश दे दिए गए है। आज हर हाल में सभी मजदूरों को सुरक्षा किट मिल जाएगी।

ओमपाल सिंह भदौरिया, सीएमओ नगर पालिका बैतूल

मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण 31 मई तक करें पूर्ण : अनुपम राजन

बैतूल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र अनुपम राजन द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी रिटर्निंग अधिकारी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक कर लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत 4 जून को होने वाली मतगणना की तैयारियों की समीक्षा की गई। मंगलवार को आयोजित ऑनलाईन समीक्षा बैठक में श्री राजन ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को संबोधित किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं स्वीप के नोडल अधिकारी अक्षत जैन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी मकसूद अहमद सहित अन्य अधिकारी वर्चुअल बैठक में उपस्थित थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र अनुपम राजन ने प्रदेश के सभी 29 लोकसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी सतर्कता बनाये रखें और मतगणना स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें। मतगणना स्थल पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं और संसाधन उपलब्ध रहें। तेज गर्मी को देखते हुए ठंडा पानी, कूलर, पंखे, मेडिकल किट, एम्बुलेंस, अग्नि शामक यंत्र, फायर ब्रिगेड सहित सभी व्यवस्थाएं कर लें। बिजली की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करें। पावर बैक-अप प्लान और जनरेटर आदि की व्यवस्था भी रखें। मतगणना कर्मियों को दिया जा रहा गणना कार्य का प्रशिक्षण 31 मई तक पूरा कर लें। भारत निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन के अनुसार मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन ले जाना प्रतिबंधित रहेगा।

50 हजार उधार वापस मांगने पर भाई-बहन ने ग्राउंड में बुलाकर युवती के साथ की मारपीट

गंभीर हालत में किया भर्ती

बैतूल। जिला मुख्यालय पर कत्तल ढाना के ग्राउंड में एक युवती को उधार की राशि वापस देने के बहाने बुलाकर भाई बहन ने जमकर मारपीट की। मारपीट में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे बदहवास हालत में 108 के माध्यम से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ दिनों पहले ही इस क्षेत्र में एक युवती पर पेट्रोल डालकर प्रेमी द्वारा जलाने का मामला सामने आया था, इस घटना को लोग भूले भी नहीं है कि भाई और बहन ने मिलकर एक युवती के साथ कत्तलढाना के ग्राउंड में जमकर मारपीट कर दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कत्तलढाना निवासी संजना पिता बंशी सुरे 19 वर्ष के साथ अंकित गायकी एवं आशु गायकी के द्वारा रात करीब 8:30 बजे मारपीट की गई। आरोपियों के पिता का कुछ दिनों पहले एक्सीडेंट हुआ था जिनके लिए इसके उपचार के लिए संजना के पिता से आरोपियों ने 50 हजार उधार लिए थे। इसी राशि को वापस मांगने की चलते यह विवाद की स्थिति निर्मित हुई है। संजना एवं उसके पिता बंसी द्वारा उधार दी गई राशि वापस मांगी जा रही थी लेकिन आरोपियों द्वारा देने में आना-कानी की जा रही थी। सोमवार की रात 8-30 बजे पैसे वापस देने का कह कर संजना को आरोपी अंकित एवं आशु ने कत्तलढाना के ग्राउंड में बुलाया और यहां दोनों भाई बहन ने मिलकर संजना के साथ मारपीट की। इस मामले में पुलिस चौकी द्वारा कोतवाली थाना प्रभारी। को अवगत करा दिया गया है । पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

अज्ञात चोरों ने दरवाजे का कुंदा तोड़कर घर में किया प्रवेश, सामान पर किया हाथ साफ

बैतूल/भैंसदेही। अज्ञात चोरों बैतूल ने एक सूने मकान को निशाना बनाया। चोरों ने दरवाजे का कुंदा तोड़ा और घर में प्रवेश किया। घर के अंदर रखी आलमारी को तोड़कर उसमें रखे सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने कौन-कौन सा सामान लेकर गये है, फिलहाल इसका पता नहीं चल पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड क्रमांक 2 पोखरनी निवासी पत्रकार निलेश सिंह ठाकुर और उनका परिवार पिछले एक महीने से इंदौर गये हुए है। घर में ताला लगा था। रविवार की रात अज्ञात चोरों ने दरवाजे का कुंदा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। कमरे में रखी आलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखे सामान पर हाथ साफ कर दिया, वहीं कपड़े सहित अन्य सामान को भी इधर-उधर फेंक दिया। चोरी की घटना का खुलासा सोमवार शाम को तब हुआ, जब पत्रकार निलेश सिंह ठाकुर के चाचा का लड़का अजय सिंह ठाकुर मोटर चालू करने के लिए गया था। अजय ने घर का दरवाजा खुला पाकर अंदर पहुंचा, जहां सामान बिखरा पड़ा था। अजय ने तत्काल इसकी सूचना निलेश और डायल 100 पर दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। फिलहाल कौन-कौन सी चीजे चोर लेकर गये है, इसका खुलासा मकान मालिक निलेश सिंह ठाकुर के घर लौटने पर ही पता चल पायेगा।

डॉग स्क्वाड और फिंगर एक्सपर्ट ने की जांच – चोरी को लेकर मंगलवार सुबह डॉग स्क्वाड और फिंगर एक्सपर्ट घटना स्थल पहुंचे। यहां चोरी की घटना को लेकर जांच की और डॉग स्क्वाड के जरिये चोरों तक पहुंचने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि सोमवार को सूचना मिलने के बाद पुलिस भी तत्काल पहुंच गई थी। पुलिस ने मौके पर निरीक्षण किया है। पुलिस का कहना है कि चोरों ने कौन-कौन सा सामान चोरी किया है, इसकी जानकारी मकान मालिक निलेश सिंह ठाकुर के घर लौटने पर ही चलेगा।

जेल के आपदा प्रबंधन में सतर्कता और संवेदनशीलता दोनों ही महत्वपूर्ण : जेल अधीक्षक

बंदियों एवं जेल स्टाफ को दिया आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण

बैतूल। राज्य आपदा आपातकालीन बचाव बल एसडीईआरएफ होमगार्ड की टीम द्वारा जिला जेल बैतूल में मंगलवार को आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षक दल द्वारा जेल स्टॉफ एवं बंदियों को आग, पानी, सडक दुर्घटना एवं प्राकृतिक आपदाएं जैसे बाढ़, भूकम्प आदि के समय उत्पन्न विपरीत परिस्थितियों में उपलब्ध संसाधनों के द्वारा राहत एवं बचाव कार्य तथा जन धन हानि को रोकने के उपाय, तरीके बताए गए। साथ ही दुर्घटना/आपदा के समय प्रभावित के प्राथमिक उपचार की विधि व तरीके के विषय में, उपकरणों एवं उपलब्ध संसाधनों का प्रदर्शन करते हुए जानकारी दी गई।

आपदा में सतर्कता और संवेदनशीलता जरूरी

जेल अधीक्षक योगेन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि जेल में आपदा प्रबंधन के प्रशिक्षण का अपना एक अलग महत्व है। प्रहरियों को यहां विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी। जेल परिसर में अग्नि अथवा भूकंप या किसी प्रकार की प्राकृतिक प्रकोप की स्थिति में सुरक्षा व्यवस्था में लगे प्रहरियों को विशेष सतर्कता से एक स्थान से दूसरे स्थान पर विशेष वाहनों से सुरक्षा पहरे में उनकी गिनती और गिनती के अनुसार दूसरे

स्थान पर शिफ्टिंग किस प्रकार से की जाएगी। पहले बंदियों की जानमाल की रक्षा के साथ सुरक्षित परिवहन कर विशेष सुरक्षा में दूसरे स्थान पर सुरक्षित शिफ्ट कैसे किया जाएगा। इस बात का प्रशिक्षण भी दिया जाना आवश्यक है। भौगोलिक दृष्टि से भूकंप एवं बाढ़ की स्थिति तो बैतूल में बनती नहीं दिखती परंतु अग्नि जैसी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता। जेल में शमन यंत्रों को किस प्रकार से उपयोग किया जाना है उसका प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण होमगार्ड जिला इकाई के एस.डी.ई.आर.एफ. प्रभारी श्रीमती सुनीता पन्द्रे के मार्गदर्शन में श्री राकेश नर्रे,योगेश सूर्यवंशी, मुकेश कवड़े, प्रदीप माथनकर, राजा सिंह रघुवंशी एवं अलकेश नवड़े द्वारा डेमो के द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान समस्त कर्तव्यस्थ स्टाफ उपस्थित रहा।

फल एवं आहार वितरित कर मनाया पार्षद का जन्मदिन

बैतूल। आज पाश्चात्य सभ्यता के चलन को देखते हुए लोग केक काटकर अपव्यय करते हुए जन्मदिन मना रहे हैं। ऐसे में प्रगति सोशल वेलफेयर समिति द्वारा समिति सचिव व जाकिर हुसैन वार्ड पार्षद नंदिनी तिवारी का जन्म दिवस समिति द्वारा जिला अस्पताल में सभी मरीजों एवं उनके परिजनों को फल और बिस्किट वितरित कर मनाया। इस मौके पर समिति की अध्यक्ष प्रेरणा शर्मा ने कहा कि सभी को अपने खास दिनों में समाज में आश्रित लोगों के लिए अपने स्तर पर कुछ ना कुछ सहायता करनी चाहिए। समिति कोषाध्यक्ष प्राची दुबे और भरत सूर्यवंशीजी ने कहा कि हमें ऊपर वाले ने मानव शरीर प्रदान किया है, तो हम सभी का फर्ज बनता है कि हम सभी मानव सेवा में लगे रहे क्योंकि मानव सेवा ही सबसे बड़ी समाज सेवा है। पार्षद नंदिनी तिवारी ने कहा कि आज यहां जरूरतमंदों को फल एवं बिस्किट वितरित कर आत्मिक शांति मिली। उन्होने कहा कि हम सभी समाज का हिस्सा है सभी को अपने समाज, क्षेत्र व अपने देश के लिए लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। समिति सदस्य कृष्णा चौधरी व करण प्रजापति ने कहा कि हमें अपने-अपने खास दिनों में एक-एक पौधा भी लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। इस अवसर पुष्पा सूर्यवंशी, रजनी गुप्ता ,कल्पना आर्य, प्रीति वर्मा, ललिता गुप्ता, मिना जेधे, गेंदा पवार, प्राची दुबे, प्रेरणा शर्मा, नंदनी तिवारी, राधे सनस, आकाश बोरसे, हरिओम पवार, गिरधारी मालवी, संजय आसरेकर कृष्णा चौधरी,भरत सूर्यवंशी, करण प्रजापति, राम तिवारी आदि उपस्थित रहे।

ट्रांसफार्मर के टूटे पोल से मंडराया खतरा, गंभीर हादसे की आशंका

बैतूल। खेड़ीसावलीगढ़ के समीप ग्राम महारपानी में विद्युत वितरण कंपनी की लापरवाही के कारण गांव में बडा हादसा होने से इंकार नही किया जा सकता। झल्लार विद्युत वितरण केन्द्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मच्छी के महारपानी गांव के ग्रामीण इन दिनों गांव में बिजली सप्लाई कर रहे ट्रांसफार्मर के पोल टूटने के कारण दहशत में है।ग्रामीण बताते है की ट्रांसफार्मर जिन पोलो के सहारे खड़ा है, वे पोल टूट गए है जब भी तेज हवाएं चलती है यह ट्रांसफार्मर डोलने लगता है। अगर यह बिजली का पोल तेज हवा से ट्रांसफार्मर सहित धराशाई हो गया तो गांव के लोग हादसे का शिकार हो सकते है। ग्रामीणों ने बताया की उन्होंने विद्युत मंडल के कर्मचारियों को बार बार शिकायत की लेकिन खतरे के प्रति विद्युत वितरण कंपनी बिकुल भी गंभीर नही है।

सहकारी बैंकर्स समय पर करें ऋण वसूली : कलेक्टर

बैतूल। सहयोग से मिलकर किसी कार्य को पूरा करना ही सहकार या सहकारिता है। जब तक आप लोग समय पर दिए गए ऋण की वसूली नहीं करेंगे तब तक दूसरे को ऋण के रूप में सहयोग नहीं कर सकेगे।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागृह में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बैतूल के साथ ऋण वसूली की समीक्षा कर रहे थे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने पैक्स कम्प्यूटराइजेशन, कृषि एवं अकृषि ऋण वसूली के कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने

पैक्स कम्प्यूटराइजेशन के लिए नवीन लक्ष्य एवं लाउड स्पीकर के माध्यम से ऋणी बंधुओं से समय सीमा में ऋण जमा करवाने के निर्देश दिए, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अन्य दूसरे ऋण प्राप्त कर्ताओं को मिल सके। समीक्षा बैठक में प्रशासक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बैतूल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन, समस्त क्षेत्राधिकारी एवं समस्त शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बैतूल उपस्थित रहे।

कलेक्टर स्वयं भरी दोपहर पहुंचे ग्राम उत्तरी

दो हैंड पंप चालू एवं एक ट्यूबवेल शीघ्र सोलर पंप से करेगा पेयजल आपूर्ति

बैतूल। भीमपुर ब्लॉक के ग्राम उत्तरी में पेयजल संकट की शिकायत पर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने भरी दोपहर में टीएल की बैठक स्थगित कर स्वयं उत्तरी गांव में पहुंचकर पेयजल स्त्रोतों का मुआयना किया। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा इस दिशा में पहले से ही काम प्रारंभ किया जा चुका है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी की टीम ग्रीष्म काल को देखते हुए पेयजल की आपूर्ति के लिए निर्देशित किया गया था। पीएचई द्वारा गांव में दो नए नलकूपों का खनन किया गया है। इसमें एक नलकूप दुर्भाग्य से सूखा निकला। दूसरे नलकूप में काफी अच्छा पानी मिला है, परंतु दूसरे नलकूप में विद्युत आपूर्ति न होने से नलकूप शुरू नहीं हो सका

है। शीघ्र ही सोलर पंप की मदद से नलकूप अपना काम शुरू कर देगा। गांव में ग्राम वासियों द्वारा तीन हैंड पंप में से दो पंप का उपयोग किया जा रहा है। इसमें से दो हैंड पंप चालू हालत में है। एक हैंडपंप गर्मी में सुख चुका है। इन दो हैंड पंपों से ग्रामवासियों को पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

समाज के सितारे हैं सेवाभावी सज्जन

जीवन में ऐसे अनेक अवसर आते हैं जब हमें लगता है कि शायद सामने वाले को हमारी मदद की जरूरत हो या हमें किसी की मदद चाहिए हो।। मांगने पर मदद का मिलना और बिन मांगे मदद का मिल जाने में जमीन आसमान का अंतर हुआ करता है। मांगने पर शरमा-शरमी मदद चाहे मिल जाए, लेकिन ऐसे में सामने वाले के मन में मदद का भाव हो, यह जरूरी नहीं। लेकिन बिना मदद मांगे किसी के मन में ऐसे भाव जागृत हो जाए कि सामने वाले को उसकी मदद की आवश्यकता हो सकती है। ऐसे में उसकी पहल तो सामने वाले का मन जीत लिया करती है। समाज में ऐसे लोग भी होते हैं जो किसी की मदद करने के लिए हर समय एक पैर पर तैयार खड़े होते हैं। ऐसी भावना पारिवारिक संस्कारों के वशीभूत ही अंतर्मन में पनपा करती है।

हर नगर, गांव व कस्बों में ऐसे सेवाभावी लोग आज भी मिलते हैं, जो संवेदनशील हृदय के स्वामी हुआ करते हैं। वैसे नगर, गांव व कस्बों की तूलना में शहरों में ऐसे सेवाभावी चेहरे अपेक्षाकृत कम ही मिलते थे। लेकिन शहरी इलाकों में भी अब अलग-अलग क्षेत्र के रहवासी वक्त आने पर एक-दूसरे के संकटमोचक सिद्ध होने लगे हैं। वैसे परिचितों की मदद करना एक अलग बात है, लेकिन अपरिचितों की मदद के लिए तत्पर रहना एक अलग ही बात हुआ करती है। कभी-कभी तो कुछ शख्सियत किसी कार्य विशेष के प्रति इतनी निपुण होती हैं कि जिस किसी के यहां उनके योग्य काम आ पड़ता है, तत्काल वह स्वस्फूर्त भाव से बिना किसी औपचारिकता के आकर अपने काम को अंजाम देने की दिशा में जुट जाया करती हैं।

ग्रामीण अंचल में जहां हर कोई हर किसी से भली-भांति परिचित होता है, चाहे किसी के यहां वैवाहिक अवसर हो या गमी का अवसर, ऐसी शख्सियत को शिद्दत से याद किया जाता है। कभी किसी के यहां सामूहिक रसोई के अवसर पर भोजन बनाने वाले महाराज के लिए ऐसी शख्सियत घरधनी का काम करती है। उसकी हर आवश्यकताओं की आपूर्ति करने में ऐसी शख्सियत का सक्रिय योगदान रहा करता है। कितनों को बुलाया है और कितने लोग आएंगे, मौसम के हिसाब से लोग कितना-कितना भोजन करेंगे और कौन सी सामग्री खुलकर परोसना है और कौन सी सामग्री हाथ खींच कर चलाना है ? इसका माकूल निर्देश अपने अनुभव के आधार पर देने में उनकी भूमिका एक विशेषज्ञ की भांति होती है। इनका आकलन और अनुमान भी एकदम सटीक हुआ करता है।

यही नहीं अपितु किसी दुर्घटना, आकस्मिक हादसा, आगजनी या प्राकृतिक आपदा के समय घटनास्थल पर कुछ लोग पलक झपकते ही पहुंच जाया करते हैं। और तत्काल प्रभाव से अपनी सूझबूझ के साथ घटना के दुष्प्रभाव को कम से कम करने की दिशा में प्रण-प्राण से जुट जाया करते हैं। यदि किसी परिवार में किसी की मृत्यु हो जाए तो निकटतम नाते-रिश्तेदारों को तत्काल सूचना देने के साथ-साथ अंतिम संस्कार हेतु आवश्यक संसाधन जुटाने से लेकर अर्थी जमाने तक के काम में भी जुट जाया करते हैं। जाहिर है कि संकट के हर दौर से निपटने का इनका अनुभजनीत तरीका हुआ करता है। घटनास्थल पर इनके आते ही शेष लोगों के मन में एक प्रकार की निश्चिंतता आ जाती हैं। हालांकि आज के दौर में आदमी प्रैक्टिकल होता जा रहा है, लेकिन इन्हें देखकर लगता है कि मानवीय गुण आज भी इस धरा पर विद्यमान है।

चूंकि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, इसलिए यह स्वाभाविक है कि उसे कदम-कदम पर किसी अन्य की सेवाओं की आवश्यकता हो। लेकिन हर एक प्रकार की सेवा शुल्क देने पर ही हासिल नहीं हो सकती। जीवन में हमें अनेक अवसरों पर अनेक प्रकार की सेवाओं की आवश्यकता होती है, जो उस सेवा से संबंधित विशेषज्ञ ही कारगर तरीके से दे सकते हैं। लेकिन ऐसे विशेषज्ञ पेशेवर कतई नहीं होते। वे महज सेवा भाव से ही अपने काम को अंजाम दिया करते हैं। ऐसे उनकी भावनाओं का भरपूर सम्मान किया जाना चाहिए। वैसे यह तो निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता कि कब किसी के साथ क्या कुछ घटित हो जाए! योग-संयोग से दुर्योग भी बना करते हैं। ऐसे में यदि हम सक्रिय रूप से समर्पित नहीं रह सके तो जो परोपकार की दिशा में अग्रणी है, उनके प्रति मान-सम्मान का भाव तो रख सकते हैं। ऐसे सेवाभावी सज्जन समाज के असली सितारे हैं।

एक सकोरा - एक प्राण अंतर्गत पक्षियों के लिए लगाए सकोरे

देवास। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, द्वारा एसएफडी स्टूडेंट का डेवलपमेंट के माध्यम से भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए एक सकोरा - एक प्राण (सकोरा अभियान) चलाया जा रहा है। नगरमंत्री अमन चौहान ने बताया कि अभियान के अंतर्गत देवास नगर के शासकीय कृष्णाजीराव पवार महाविद्यालय, प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट महाविद्यालय एवं यातायात थाना बस स्टेण्ड पर महाविद्यालय स्टाफ एवं पुलिस स्टाफ के साथ मिलकर पक्षियों के लिए जल ही जीवन को ध्यान में रखते हुए पानी के सकोरे पक्षियों के लिए लगाए गए। महाविद्यालय स्टाफ एवं पुलिस स्टाफ को संकल्प दिलाते हुए प्रतिदिन सकोर में पानी भरने का आग्रह किया। उक्त अभियान सतत रूप से जारी रहेगा। अभाविप नगर वासियों से मांग की है कि भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए हर घर के बाहर सकोरे अवश्य लगाए।

टूट रही बजरिया के पीछे रामलाल शर्मा स्कूल कैसे निकल आया...!

यह अतिक्रमण पर है या रजिस्ट्री वाली जमी पर..

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के नाम दर्ज नजूल शीट नंबर 43 प्लाट नं 15/2 188000 वर्ग फुट जमीन वर्ष 1956 में मैनेजर एसएनजी स्कूल को शासन ने पट्टे पर दी थी। पर पट्टे के रकबे को 18/5/1960 में पट्टा शर्तो का उलंघन किया जाने से निरस्त किया गया था।एसएनजी स्कूल जिसका रकबा 137000 वर्ग फुट है को (पूर्व में एवीएम स्कूल) 1923 से लेकर 1947 तक एवीएम मिशनरी संस्था द्वारा संचालित किया जाता था 1947 के बाद उक्त स्कूल (जो म्युनिसिपल कॉरपोरेशन की जमीन पर बना हुआ था) शासन द्वारा सशर्त नर्मदा ऐजूकेशन सोसायटी मैनेजर रामलाल शर्मा को पट्टे पर प्रदान किया गया था। पर आवाम को पिछले पचास सालों से बताया जाता रहा कि नन्हे लाल घासीराम द्वारा दान करके यह स्कूल बनाया गया सही नहीं है। जबकि संस्था ने एवीएम स्कूल का नाम बदल कर एसएनजी स्कूल नाम रखा था संस्था जिसे संचालित करने लगी। लेकिन 19/7/72 में पट्टा शर्त उल्लंघन करने पर संस्था को दी गई जमीन शीट नंबर 43 प्लाट नं 15/2 (एस एन जी स्कूल) शासन ने अपने अधिकार में लेकर उसे शासनाधीन कर दिया। नगरपालिका द्वारा तोड़ी जा रही बजरिया के पिछले हिस्से में यहां रामलाल शर्मा स्कूल दिखाई दे रहा आखिर यह स्कूल यहां कैसे..? और किसकी जमीन पर यह अब सुर्खियों में है। एसएनजी को शासनाधीन हुए 52 साल हो गए लेकिन इसका रिकार्ड दुरुस्त नहीं हुआ तो इस जमीन पर रामलाल शर्मा स्कूल कहां से आ गया..! क्या विधायक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किए जा रहे एसएनजी के भाग पर आखिर रामलाल शर्मा स्कूल कैसे खुल गया और शिक्षा विभाग इसे कैसे चलने दे रहा.. को लेकर विधानसभा में प्रश्न लगाकर जागरुकता का परिचय दे पायेंगे..?? वैसे क्षेत्र की जनता उनके जागरूक और समय-समय पर नगर में आवाम सहित प्रशासन को जागरुकता की घुट्टी पिलाते रहने की बड़ी तारीफ करते हैं।

काश हमारे कलेक्टर ऐसा कुछ कर पाते..!

नर्मदापुरम। अधिकारी चाहे तो भारतीय सविधान के नियमों को सख्ती से लागू करवा सकता है यहां कोई नेता गिरी, कोई रसूख का मतलब नही होता। ऐसा यहां तो नहीं लेकिन जबलपुर कलेक्टर ने ऐसा फैसला कर दिखाया जो प्रदेश के लिए मिसाल बन गया जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना ने निजी स्कूलों की पोलपट्टी खोलकर दी शिक्षा माफिया की कर गुजारियो को उजागर करते हुए उन्होंने निजी शैक्षणिक संस्थानों की मनमानी पर रोक लगाई है एक दर्जन निजी स्कूलों में चलने वाली किताबो को अमानक घोषित कर दिया है और ली गई मनमानी फीस लौटाने को कहा। जिसकी पूरे देश में सराहना की जा रही है ।

किताबों के नाम पर कैसे लूटते हैं पालक: जबलपुर कलेक्टर ने खुलासा किया है जो पुस्तके निजी स्कूल चलता है जिसका मानक आधार आई एस बी एन कोड होता है जो संचालित की जा रही किताबो को मान्यता देता है वो कोड इन किताबो पर नही है ।

देवास-शाजापुर लोकसभा के निज निवास में चोरी करने वाले गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तार

सोने-चांदी एवं नगदी सहित लगभग 20 लाख से अधिक की मश्रुका जप्त

देवास/मोहन वर्मा। दिनांक 24-25.05.24 की दरमियानी रात को मकान नं. 01 तिलक नगर थाना सिविल लाईन स्थित सुने मकान की रेकी कर अज्ञात बदमाशों के द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल थाना प्रभारी थाना सिविल लाईन श्री ओ.पी.अहिर तत्काल मय फोर्स के रवाना होकर घटनास्थल पहुंचकर घटनास्थल का सुक्ष्मता से निरीक्षण किया गया एवं घटना की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। श्री राहुल व्यास द्वारा थाना सिविल लाईन पर रिपोर्ट दर्ज करवाई गई घर से सोने चांदी के आभूषण के आलावा नगदी कुल मधुका कीमती लगभग 20 लाख रुपए चोरी होना बताया गया। उक्त अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना सिविल लाईन में अपराध क्रमांक 279/2024 धारा 457,380 भादवि का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक देवास श्री सम्पत उपाध्याय, भापुसे के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री जयवीर सिंह भदौरिया व नगर पुलिस अधीक्षक देवास श्री दीशेष अग्रवाल के निर्देशन में टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय किये गये एवं मुखबिर द्वारा बताये गये संदिग्ध व्यक्तियों से कड़ी पूछताछ की गई जिसमें आरोपियोंगणो के द्वारा चोरी की वारदात करना कबूल किया गया । आरोपीगणो के द्वारा कॉलोनियो की रेकी कर सुने मकानों को निशाना बनाकर चोरी की

●पिता पुत्र की जोड़ी ने की सूने मकान में रेकी कर चोरी की वारदात

वारदात को अंजाम देते थे।

जप्तशुदा सामग्री -

कुल वजन 200 ग्राम, नगदी 1.95 लाख रुपए एवं घटना में सायकल लगभग 20 लाख रुपये का मश्रुका जप्त ।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम -

1. जीतसिंह पिता रामसिंह टांक उम्र 50 साल निवासी ग्राम इनपुन पुनर्वास थाना मान्धाता जिला खंडवा।
2. दिनेश पिता बाबूखरात उम्र 45 साल निवासी इनपुन पुनर्वास थाना मान्धाता जिला खंडवा ।
3. श्याम पिता भगवान सिंह पंवार उम्र 35 साल निवासी ग्राम रिछोदा थाना सुनेर जिला शाजापुर हाल मु. अमोना थाना औद्योगिक क्षेत्र देवासग
4. एक बाल अपचारी

सराहनीय कार्य -

उक्त सरहानीय कार्य में नगर पुलिस अधीक्षक देवास श्री दीशेष अग्रवाल, निरीक्षक ओ.पी.अहिर थाना प्रभारी सिविल लाईन, निरीक्षक शशिकांत चौरसिया थाना प्रभारी औद्यौगिक क्षेत्र निरीक्षक दीपक यादव थाना प्रभारी कोतवाली, उनि अरुण पिपल्दे, यश नाईक, सउनि ईश्वर मंडलोई, प्रआर. सुनील देथलिया, रवि गरोड़ा,सुरेश धाकड़, घनश्याम अर्जने, सुरेश कुमावत, हेमंत डाबी, शैलेन्द्र राणा, नीतेश द्विवेदी, रईस अहमद,दिनेशमंडलोई, आर.अरुण चावडा, नदीम, मातादीन, शिव वसुनिया, गोपाल सेंधव, नवीन जेथलिया, संदीप यादव, मआर निशा, प्रिया, संजीव, मनोज पटेल एवं साइबर सेल टीम प्रआर शिवप्रताप सिंह सेंगर, सचिन चौहान, संजय शर्मा का सराहनीय योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक देवास द्वारा टीम को नगद 5000 रुपये के घोषणा की गई।

गैर कानूनी तरीके से संचालित हो रहा पहचान नशा मुक्ति केंद्र हुआ बंद

●शिवसेना की शिकायत पर कलेक्टर ने जांच में पाई अनियमितताएं

देवास। भोपाल रोड स्थित ग्राम पंचायत जामगोद में पहचान नशा मुक्ति केंद्र के नाम से नशा छुड़वाने का सेंटर कई वर्षो से संचालित हो रहा था। नशा छुड़वाने के नाम पर लोगों को ठगा जा रहा था। ठगे हुए लोगों की शिकायत सुनने वाला कोई नहीं था। जिसकी सूचना शिवसेना को लगी। शिवसेना जिलाध्यक्ष सुनील वर्मा ने बताया कि शिवसेना नेता रोहित शर्मा,ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह बैस ने नशा मुक्ति केन्द्र की सम्पूर्ण जानकारी निकाल कर 20 फरवरी 2024 को इसकी लिखित शिकायत कलेक्टर से की। मामले को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने सामाजिक न्याय विभाग के जिला अधिकारी संगीता यादव को जाँच हेतु निर्देशित करते हुए जाँच दल गठित किया।

तहसीलदार रवि शर्मा के नेतृत्व में पहचान नशा मुक्ति केंद्र की जाँच की गई। जिसमें पाया गया कि संस्था को विभागीय मान्यता प्राप्त नहीं है। फर्म एवं सोसायटी का पंजीयन नही पाया गया। जिसकी जाँच रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी गई। जिसे देख कलेक्टर ने पुनः जांच दल गठित कर विस्तृत जाँच करवाई। जिसमें अपर कलेक्टर प्रवीण फुलपगारे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विष्णु लता उईके, उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण श्रीमती संगीता यादव एवं जिला चिकित्सालय में पदस्थ मनोरोग चिकित्सक डॉ. धर्मेन्द्र प्रजापति को जाँच हेतु नियुक्त किया गया। सभी पदाधिकारियों ने मौके पर जाकर जामगोद में स्थित पहचान नशा मुक्ति केंद्र की जाँच प्रारंभ की। जांच में पाया गया कि पहचान तमाशा मुक्ति केंद्र में मौजूद डॉक्टरों के पास डिग्री ही नहीं थी, साथ ही संस्था प्रशिक्षित स्टॉफ द्वारा कोई भी मान्यता प्राप्त दस्तावेज उपलब्ध नही कराए गए।

बालाजी ट्रॉफी अंडर 12 बालक वर्ग में डीसेंट क्रिकेट अकादमी बनी उपविजेता

धार। विगत दिनों इंदौर में आयोजित बालाजी ट्रॉफी अंडर 12 बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला देव अकादमी इंदौर और डीसेंट क्रिकेट अकादमी धार के बीच खेला गया । मैच मे धार की डीसेंट अकेदमी उपविजेता रही । जानकारी देते हुए डिसेंट अकैडमी के अध्यक्ष सचिन बाफना ने बताया कि टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने आयी डीसेंट की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 123 रन 5 विकेट खोकर बनाए। जिसमें पीयूष मुकाती ने 54 रन और युग शर्मा ने 34 रन का योगदान दिया । देव अकादमी की और से कार्तिक पाटिल ने 2 विकेट और शिवम सिंह ने 1 विकेट लिया, लक्ष्य का पीछा करने उतरी देव अकादमी की टीम ने यह मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया , जिसमें सर्वाधिक रन बलराम यादव ने 50 रन नाबाद और घनिष्ठ ने 47 रन का योगदान दिया , डीसेंट के गेंदबाज प्रत्युश यादव ने 1 विकेट, अथर्व राठौर ने 1 विकेट, युग शर्मा ने 1 विकेट लिया वहीं प्लेयर ऑफ द मैच देव अकादमी के घनिष्ठ को अर्धशतक लगाने पर दिया गया । मैच मे धार की डीसेंट अकेदमी उपविजेता रही।

धार शहर के होनहार बच्चे क्रिकेट में अपना करिअर बनाने के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, उनके साथ डीसेंट क्रिकेट अकादमी और उनके कोच निरंतर कड़ी मेहनत करवाते है ,इसी का नतीजा है कि 12 साल से कम उम्र के बच्चे भी इंदौर में जाकर अपना परचम लहरा रहे हैं। अकादमी के उप विजेता बनने पर विधि बाफना,कपिल यादव, अरुण यादव ,यूनुस शेख,सचिन नरवारिया ,केतन कूचेकर, आसिफ़ शैख आशीष वसुनिया राजेश डाबी ने बधाई दी ।

सिकल सेल एनिमिया के निदान एवं उपचार की आधुनिकतम जानकारी दी

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की धार शाखा द्वारा नवजात एवं बाल्य रोग संगोष्ठी को आयोजित किया गया

धार। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ब्रांच धार द्वारा निरंतर चिकित्सा शिक्षा संगोष्ठी के तहत आइएमए भवन मांडू रोड धार नवजात शिशुओं में हृदय रोग, गंभीर मस्तिष्क रोग और सिकल सेल एनिमिया जैसे जटिल विषयों पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें चोइथराम हास्पिटल इंदौर के नवजात एवं शिशु हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ प्रशांत अग्रवाल ने जन्मजात हृदय रोगों का निदान एवं इनके उपचार के बारे में जानकारी दी। इस आयोजन में डा अंशुल जायसवाल ने बच्चों के जटिल मस्तिष्क रोग पर व्याख्यान दिया।

डा शिवानी पटेल- बाल रक्त रोग विशेषज्ञ द्वारा सिकल सेल एनिमिया के निदान एवं उपचार में आने वाली जटिलता और बोनमैरो, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट जैसी आधुनिक सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। गोष्ठी में अनेक

आइएमए सदस्यों ने भाग लेकर अपने अनुभव साझा किए। सभा के चेयरपर्सन रूप में जिले के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ सुधाकर मौरे एवं डॉ प्रदीप रावत मौजूद रहें स्वागत भाषण अध्यक्ष डा अशोक जैन द्वारा दिया गया। संचालन सचिव डॉ अमित शर्मा ने किया। आभार सचिव डॉ राजेश जर्मा द्वारा प्रकट किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष डॉ मुकुंद बमर्न, कोषाध्यक्ष डॉ आयूष जैन व धार के वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा अतिथि चिकित्सकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ एके चौधरी, डॉ यूसी व्यास, डॉ प्रदीप झाम, डॉ एनके बाथम, डॉ उदय कुलकर्णी, डॉ ललित अग्रवाल, डॉ आरसीएस ठाकुर, डॉ अनिल वर्मा, डा संजय जोशी, डा ऋचा उपाध्याय, डा राजेंद्र गुप्ता, डा रितेश पाटीदार आदि उपस्थित रहे।

जिले के अधिकारी जुटे खरेर हाथी सार में

देश-विदेश में विख्यात सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के सबसे छोटे हाथी विक्रमादित्य की संदिग्धावस्था में मौत?

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। देश विदेश में विख्यात सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के हाथी सार खरेर में पर्यटकों को आकर्षित करने वाले नन्हें हाथी की संदिग्धावस्था में मौत हो गई है। स्थानीय एवं जिला मुख्यालय नर्मदापुरम के अधिकारियों तथा डाक्टरों की टीम खरेरा हाथी सार पहुंच चुकी है। लेकिन मोबाइल नेटवर्क के कारण किसी भी संबंधित अधिकारियों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। पता चला है कि विक्रमादित्य की मौत रात में ही हो गई थी। नगर यह चर्चा का विषय बन गया है। उल्लेखनीय है कि वन्य प्राणियों के रख-रखाव के लिए विभाग भारी भरकम राशि आवंटित करता है। जिसमें गन्ना हत्यादि खिलाकर फोटोशेशन करके इतिश्री कर ली जाती है।यह सालों से जनता-जनार्दन देख रही है। नगर में विक्रमादित्य की बीमार होने की अफवाह फैलाई जा

रही है। यदि वह बीमार चल रहा था।तो सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के स्थानीय अधिकारियों ने उसे बचने के क्या प्रयास किए। क्या तत्काल इलाज मुहैया कराया गया? इसके अलावा यह प्रश्न भी उठताको है कि भीषण गर्मी के चलते पानी की उपलब्धता,भोजन की मात्रा , कहीं ऐसे कारणों से तो मौत नहीं हुई है यह एक यक्ष प्रश्न सोहागपुर के नागरिकों के मन-मस्तिष्क में चल रहा है।

चंचल था सात वर्षीय हाथी विक्रमादित्य: सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई में करीबन सात वर्षीय हाथी विक्रमादित्य चंचल स्वभाव का बताया जाता है।जो देश विदेश से आए पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित किया करता था।

विख्यात हाथी सिद्धनाथ, प्रिया का लाड़ला : बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान से आए विख्यात सिद्धनाथ जिसने करीबन तीन लोगों मार चुकने वाले एवं प्रिया का सात वर्षीय लाड़ला विक्रमादित्य तथा आठ वर्षीय लक्ष्मी दो संतानें थी।

अधिकारी पहुंचे

कल रात में मृत नन्हे हाथी की मौत की सूचना मिलते ही फील्ड डायरेक्टर एल कृष्णमूर्ति , डीएफओ पूजा नागले, सहायक संचालक अंकित जामोद आदि अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे है। लेकिन इस समाचार लिखे जाने तक तक नन्हें हाथी विक्रमादित्य की मौत के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है।

अभी-अभी संपर्क हुआ

इस समाचार लिखे जाने के अंत में पुनः संपर्क किया। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व डायरेक्टर एल कृष्णमूर्ति नर्मदापुरम ने सुबह सवेरे संवाददाता को बताया कि विक्रमादित्य की अचानक मौत हो गई है। विभाग गंभीर चिंतन कर रहा है। विक्रमादित्य के ब्लड सैंपल लिए है। एक सप्ताह के बाद रिपोर्ट आने पर विक्रमादित्य की मौत का खुलासा हो सकेगा।

टीकमगढ़ में 10 साल बाद पारा 47 डिग्री के पार

- 42 जिलों में भीषण गर्मी ; ग्वालियर, चंबल, मालवा-निमाड़ में लू का रेड अलर्ट

भोपाल (नप्र)। नौतपा के चौथे दिन मंगलवार को मध्यप्रदेश में तेज गर्मी है। धूप सुबह से ही चुभने लगी थी। दोपहर 12 बजे तक कुछ जिलों में तापमान 41 डिग्री के पार हो गया। छतरपुर और खजुराहो में दोपहर में टेम्प्रेचर 47 डिग्री तक पहुंच गया। सीहोर में तापमान 46.8 रिकॉर्ड किया गया। आईएमडी भोपाल ने ग्वालियर, चंबल, मालवा-निमाड़ के 12 जिलों में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, 19 में ऑरेंज और 11 जिलों में यलो अलर्ट है। इस तरह कुल 42 जिलों में तेज गर्मी का असर रहेगा। भिंड और दतिया में पारा 48 डिग्री के पार जाने का अनुमान है।

भोपाल में 43.6 डिग्री पहुंचा टेम्प्रेचर, हीट स्ट्रोक से 2 की मौत: नौतपा के चौथे दिन भी भोपाल में तेज गर्मी है। सुबह 8.30 बजे पारा 33 डिग्री के पार रहा। इसके 3 घंटे बाद ही टेम्प्रेचर 7 डिग्री बढ़कर 40 डिग्री तक पहुंच गया। दोपहर 11.30 बजे टेम्प्रेचर में बढ़ोतरी हुई है, और यह 41 डिग्री पर पहुंच गया। दोपहर 2.30 बजे यह 43.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यानी दोपहर के 3 घंटे तापमान में 2.6 डिग्री की बढ़ोत्तरी हुई है। गर्मी का ओवरऑल रिकॉर्ड 21 मई 2016 के नाम है। इस दिन पहली बार टेम्प्रेचर रिकॉर्ड 46.7 डिग्री पहुंचा था, जबकि दूसरी बार 26 मई 2024 को तापमान 45.4 डिग्री रहा। वहीं, सोमवार को पारा 44.8 डिग्री पर ठहर गया, लेकिन देर रात तक गर्म हवाएं चलती रही।

भोपाल में 2 लोगों की मौत, हीट स्ट्रोक की आशंका

- शहर में भीषण गर्मी का दौर चल रहा है। इस बीच 2 लोगों के मौत के मामले सामने आए हैं। दोनों मौतें हीट स्ट्रोक से होने का अनुमान है।
- पहला मामला 36 वर्षीय अजय प्रधान का है। वे सोमवार दोपहर 3 बजे नगर निगम के वाहन में बैठे थे, तभी अचानक बेहोश हो गए। उनके मुंह से झाग आने लगा। अस्पताल ले गए तो डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।
- दूसरे मामले में 57 वर्षीय धीरेंद्र कुमार सोमवार दोपहर लालघाटी से अपने घर अशोका गार्डन जा रहे थे। तभी बजरिया स्टेशन सड़क के पास एक फुटपाथ पर बैठ गए। कुछ ही देर में वे बेहोश होकर गिर पड़े। अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों शवों का मंगलवार को पोस्टमॉर्टम कराया गया। मौत के सही कारण पीएम रिपोर्ट आने पर पता चलेंगे।
- इधर, एम्स मेडिसिन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अभिषेक सिंघई का कहना है कि जनरली हीट स्ट्रोक के लक्षणों में मतली आना या घबराहट होना शामिल रहता है। सीवियर कंडीशन में झटके के साथ मुंह से झाग आता है।

गैर घरेलू गतिविधियाँ होने पर गैर घरेलू विद्युत कनेक्शन के लिए करें आवेदन

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि ऐसे उपभोक्ता जो अपने आवासीय परिसर में रेस्ट हाउस, गेस्ट हाउस, पेइंग गेस्ट या अन्य व्यवसायिक गतिविधियों जैसे कोचिंग क्लासेस, ब्यूटी पार्लर आदि चलाते हैं, वे विद्युत वितरण कंपनी के संबंधित कार्यालय में जाकर अथवा कंपनी पोर्टल अथवा PAY app अथवा rjas portal के माध्यम से आनलाइन आवेदन कर अपने प्रयोजन को घरेलू से गैर घरेलू (व्यवसायिक) श्रेणी में परिवर्तित करवा लें। कंपनी ने उपभोक्ताओं से यह भी अपील की है कि जिस प्रयोजन के लिए कनेक्शन लिया है, उसी के अनुसार विद्युत का उपभोग करें। उदाहरण के लिए यदि किसी उपभोक्ता ने घरेलू (लाइट और फैन) का कनेक्शन लिया है तो वे केवल उस परिसर को निवास के रूप में उपयोग करें। कंपनी ने कहा है कि सघन चेकिंग अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की व्यवसायिक गतिविधि आवासीय परिसर में संचालित की जा रही है तो ऐसी गतिविधियों को गैर घरेलू प्रयोजन में माना जाएगा और संबंधित दोषी उपभोक्ता से जुर्माना वसूल किया जाएगा। उपभोक्ताओं से अपील है कि वे अपने कनेक्शन की जांच करा लें और जिस प्रयोजन के लिए कनेक्शन लिया गया है उसी के अनुसार अपने निकटतम कंपनी के जोन कार्यालय/वितरण केन्द्र, में संपर्क करें अथवा सही संयोजित विद्युत भार को दर्शाते हुए बिजली कंपनी के अथवा PAY app अथवा rjas portal पर जाकर ऑनलाइन अपना कनेक्शन प्रयोजन के अनुसार संबंधित टैरिफ श्रेणी के अनुसार परिवर्तित करा लें।

जीतू बोले-जंगलराज की श्रेणी में एमपी सबसे ऊपर

सागर, गुना की घटनाओं पर कहा-अपराधी बेखौफ, नहीं रुक रहे दलितों पर अत्याचार

भोपाल (नप्र)। खुरई के बरोदिया- नोनागिर गांव में दलित परिवार में चाचा और भतीजी की मौत और गुना के बंजारा समुदाय के युवक के साथ हुए दुर्व्यवहार के मामले पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मप्र सरकार पर हमला बोला है। सागर रवाना होने से पहले भोपाल में अपने आवास पर मीडिया से चर्चा में जीतू पटवारी ने कहा- मध्य प्रदेश में जंगल राज की स्थापना हो चुकी है। जंगल राज क्या होता था ये हम सुनते पढ़ते थे, अब ऐसा एक दिन नहीं गुजरता जब मध्य प्रदेश में जघन्य अपराध न हो रहे हों। दलितों पर अत्याचार, आदिवासियों की हत्या और बलात्कार लगातार गैंगरेप, यहां तक की फिरौती के केस हो रहे हैं। हर वो क्षेत्र जिसमें शासन और सरकार का सरोकार है। अपराधी पूरी ताकत से बेखौफ हो गए हैं। अपराधियों में डर समाप्त हो गया और प्लानिंग के तहत अपराध कैसे होते हैं उसका मध्य प्रदेश उदाहरण बनता जा रहा है। चाहे प्रशासनिक क्षेत्र में हो लगातार आग लगने की घटनाएं हो। चाहे नर्सिंग का इतना बड़ा कलंक मध्य प्रदेश पर लगा हो। जिसमें जांच करने वाले ही रिश्वत के मामले में पकड़े गए। इन्होंने ही पहले व्यापमं की जांच की।

मप्र का हर क्षेत्र जंगलराज की पराकाष्ठा को पार कर चुका

चाहे लॉ-एंड ऑर्डर की बात हो चाहे करप्शन के हिस्से की बात हो। मध्य प्रदेश हर क्षेत्र में जंगल राज की पराकाष्ठा को पार कर चुका है। हमने इस दौरान करीब 9 - 10 बार अलग-अलग पत्र लिखकर मुख्यमंत्री जी से अनुरोध किया कि इस पर एक समीक्षा मीटिंग होनी चाहिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आपको एसपी से बात करना चाहिए कि कि अपराध दिन पर दिन क्यों बढ़ते जा रहे हैं। डकैती इसको लेकर गृहमंत्री अपने दायित्व का निर्वाह करें। मुख्यमंत्री को यह बातें अच्छी नहीं लगती है

कि कोई उनसे सवाल पूछे। वह बदले की भावना से विपक्ष में और बीजेपी के भी अंदर काम करने लगे हैं। लगातार विपक्ष को कैसे डराने- धमकाने का प्रयास कर रहे हैं।

मेरे ऊपर गलत एफआईआर की, सारी खत्म होंगी

पटवारी ने कहा- गृह मंत्री और मुख्यमंत्री ने जो मेरे ऊपर चुनाव के दौरान एफआईआर हुई थी। यह क्या था पर यह बदले की भावना का स्वरूप में मुख्यमंत्री से अनुरोध करना चाहता हूं आग्रह करना चाहता हूं चेतन भी चाहता हूं कि दिमाग में ये बात हो कि बदले की भावना से आप कुछ कर सकते हैं तो ये ख्याल दिमाग से निकाल देना।

सवाल पूछने पर सीएम हो जाते हैं नाराज

विपक्ष की जो भूमिका होती है वो काम किया जाएगा। किसी प्रकार के पूर्वाग्रह और नफरत की भावना से नहीं किया जाएगा। प्रदेश के हित में किया जाएगा। आपसे सवाल पूछे जाएंगे। मैंने पहले कहा था कि गृह मंत्री होने के नाते समीक्षा करें कि क्यों अपराध बढ़ रहे हैं। मप्र में क्यों जंगलराज की स्थापना हो रही है। क्यों अपराधी बेखौफ हो रहे हैं। इसके लिए दोषी कौन है?

जंगलराज की श्रेणी में मप्र सबसे ऊपर

सागर में दलित परिवार के साथ हुई घटना पर पटवारी ने कहा -मैं वहां जा रहा हूं। दलित परिवार में पहले बहन से छेड़छाड़ हुए, फिर भाई की हत्या की गई। फिर चाचा की हत्या हुई। इस बीच मां को निर्वस्त्र किया गया। और अब बेटी की भी मृत्यु हो गई। आपने ऐसा कहां सुना और पढ़ा। मैं प्रदेशों के नाम नहीं लेना चाहता लेकिन, कई प्रदेशों में कहा जा रहा था जंगलराज मप्र, जंगलराज की श्रेणी में सबसे ऊपर है।

गुना की घटना तालिबानियों जैसी

पटवारी ने गुना में हुई घटना पर कहा- गुना में जो घटना हुई बंजारा समाज के व्यक्ति के साथ सामाजिक रूप से ऐसा कृत्य होना ये तालिबानी नहीं है तो क्या है। मप्र में जिस तरह की व्यवस्था बन रही है। ये सरकार का फेलियर चिंता का विषय है। बीजेपी द्वारा कांग्रेस नेताओं पर प्रेशर बनाने की बात पर जीतू पटवारी ने कहा- ये खासकर मुख्यमंत्री जी के दिमाग में है कि हम प्रेशर में लाकर, दबाव बनाकर अलग-अलग तरीके से व्यक्तियों को टारगेट करके कंट्रोल कर सकते हैं तो ये बात भूल जाएं। अगर वो व्यक्तिगत बदले की बात करेंगे तो उन्हें अंदाजा ही नहीं हैं कि किस हद तक लड़ा जाएगा।

उज्जैन के शराब माफियाओं पर कार्रवाई करें, मेरे पास पूरे दस्तावेज हैं

सीएम की समीक्षा पर कहा- बार-बार इस तरह की घटनाएं घट रहीं हैं। इंदौर में कहा कि भिखारियों को समाप्त करेंगे। अच्छी बात है करना चाहिए। लेकिन, उसके साथ ही इंदौर नगर निगम में करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार हो गया। बिना काम किए पेमेंट करा लिए। मुख्यमंत्री की जुबान खुली क्या?

81.30 करोड़ की फीस लौटाने के बाद अपील

जबलपुर कलेक्टर ने कहा-स्कूलों से चार सवाल करें गार्जियन, दमोह कलेक्टर ने भी मांगी जानकारी

भोपाल (नप्र)। निजी विद्यालयों की मनमानी फीस वसूली पर शिकंजा कसकर दूसरे जिलों के लिए रोल माडल बने जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना ने अब अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने हक के लिए आगे आएं और चार सवाल गार्जियन के तौर पर स्कूलों से करें। कलेक्टर जबलपुर दीपक सक्सेना ने 11 विद्यालयों पर की गई कार्रवाई और 81.30 करोड़ की फीस वापसी के फैसले के बाद स्कूलों से भी कहा है कि फीस का रिव्यू करें और ज्यादा वसूला है तो वापस लौटाएं। उधर जबलपुर कलेक्टर की इस कार्रवाई के बाद प्रदेश के दूसरे जिलों के कलेक्टरों पर भी स्कूली बच्चों के अभिभावकों के हित में ऐसी ही कार्यवाही करने का दबाव बना है। दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने भी जिले के निजी विद्यालयों से चालू शैक्षणिक सत्र में बढ़ाई गई फीस की जानकारी जल्द देने को कहा है। सरकार भी इस मामले में जल्द नए निर्देश जारी कर सकती है। जबलपुर कलेक्टर सक्सेना ने चार सवाल भी इसको लेकर लोगों से पूछने को कहा है। कलेक्टर ने कहा है कि हर शैक्षणिक सत्र के पाठ्यक्रम में पुस्तक बदलने का क्रम विद्यालयों को बंद करना होगा। नई पुस्तकों का चयन एक अक्टूबर 2024 के पहले करें। साथ ही पुस्तक और स्टेशनरी आइटम्स की जानकारी 5 अक्टूबर तक सार्वजनिक करें। स्कूल संचालक छह साल में ज्यादा फीस वसूली का रिव्यू करें और खुद अभिभावकों से फीस के नाम पर लिया गया अधिक पैसा वापस लौटाएं।

पोर्टल पर जानकारी अपलोड करना चाहिए स्कूलों को

कलेक्टर सक्सेना ने कहा है कि निजी स्कूलों को नियमानुसार आडिट रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करना चाहिए जो स्कूल संचालक नहीं करते हैं। पुस्तक सामग्री और ड्रेस के लिए चयनित विक्रेताओं से खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकते हैं। जरूरत से ज्यादा पुस्तकें, फर्जी और डुप्लीकेट पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य नहीं करने के साथ अनाप शनाप दामों पर खरीदने के लिए अभिभावकों पर दबाव नहीं बना सकते हैं लेकिन इनके द्वारा ऐसा किया जा रहा है और कमीशनखोरी की जा रही है।

किसी की गाढ़ी कमाई पर डाका डालने का मौका न दें : दीपक

कलेक्टर ने जबलपुर के अभिभावकों को जानकारी शेयर करते हुए कहा है कि 25 जनवरी 2018 से राज्य शासन ने फ़ीस वृद्धि के पैमाने तय कर दिये हैं। इसी आधार पर जिन स्कूलों पर अप्रेल 2028 से फीस वसूली के मामले में कार्रवाई की गई है उन पर 81.30 करोड़ की अधिक फीस वसूली निकली है जिसे अभिभावकों को वापस कराया जा रहा है। कलेक्टर सक्सेना ने लोगों से कहा है कि अपने हक के लिये सवाल करें, किसी को भी अपनी गाढ़ी कमाई पर डाका डालने का मौक़ा न दें..।

कलेक्टर जबलपुर ने कहा, यह सवाल पूछें अभिभावक

1. क्या विद्यालय प्रबंधन ने आडिट रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड की है?
2. क्या विद्यालय की वार्षिक आमदनी का आधिक्य कुल आमदनी के 15 प्रतिशत से कम है?
3. क्या विद्यालय प्रबंधन ने औचित्य सहित फ़ीस वृद्धि की सूचना सत्र प्रारंभ होने के 90 दिवस की अवधि में दे दी है?
4. क्या विद्यालय प्रबंधन ने 10 प्रतिशत से अधिक फ़ीस वृद्धि के लिये सक्षम स्वीकृति कलेक्टर या राज्य शासन से प्राप्त कर ली है? यदि नहीं.तो किस हक़ से हमारी जेब हल्की कर रहे हो ?

बोर्ड परीक्षा में फेल 3 लाख स्टूडेंट को आखिरी मौका

दूसरे चरण में 28 अगस्त तक भर सकते हैं 'रुक जाना नहीं योजना' के तहत फॉर्म

भोपाल (नप्र)। अगर आप 10वीं-12वीं में फेल हो गए हैं, और इस साल ही पास होना चाहते हैं तो आप राज्य ओपन बोर्ड से 'रुक जाना नहीं योजना' के तहत फॉर्म भर सकते हैं। इसके लिए आपको फॉर्म अगस्त से पहले भरना होगा, क्योंकि इसके पहले चरण में करीब 2 लाख 46 हजार छात्रों ने फॉर्म भरे हैं, इसका दूसरा एग्जाम दिसंबर माह में होगा, जिसके लिए आपको 28 अगस्त में इसका फॉर्म भरना होगा। बता दें कि दसवीं-बारहवीं में कुल 5.60 लाख स्टूडेंट्स फेल हुए थे इसमें से करीब छात्रों ने राज्य ओपन बोर्ड से पहले सेशन में फॉर्म भरा है, अब साल 2024 वाले सेशन के छात्रों को इसके बाद एक मौका और दिया गया है।

अभी भी छात्रों के पास मौका: राज्य ओपन बोर्ड के डायरेक्टर प्रभात राज तिवारी कहते हैं कि रुक जाना नहीं योजना के अंतर्गत छात्र अभी भी अप्लाई कर सकते हैं, इसके दूसरे चरण के एग्जाम दिसंबर में होंगे इसके लिए आपको 28 अगस्त तक अप्लाई करना होगा। इसके लिए दसवीं बारहवीं के सिर्फ वही छात्र पात्र होते हैं जो दसवीं में दो से अधिक और बारहवीं में 1 से अधिक सब्जेक्ट में फेल हुए हैं। वह छात्र फिर से तैयारी करके अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए छात्र ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। अभी तक कुल 2 लाख 46 हजार छात्रों ने फॉर्म भरे हैं। तीन लाख से अधिक छात्रों के पास एक और मौका है वह जल्द से जल्द ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए एमपी ऑनलाइन या फिर राज्य ओपन बोर्ड की वेबसाइट से वह खुद मोबाइल से भी अप्लाई कर सकते हैं।

36 प्रतिशत फेल छात्र आठ साल में हुए हैं पास

'रुक जाना नहीं योजना' साल 2016 में शुरू हुई थी। इसमें अभी तक कुल 14 लाख से अधिक वह छात्र भाग ले चुके हैं जो माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षा में फेल हुए हैं। इसमें 5 लाख 31 हजार छात्र पास हुए हैं। इस तरह से पिछले आठ सालों में इस योजना के तहत 36 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं।

गर्मी से दो की मौत

मुंह से आ रहा था झाग, डॉक्टर ने कहा यह सीवियर हीट स्ट्रोक के लक्षण

भोपाल (नप्र)। शहर में गर्मी से दो लोगों की मौत का मामला सामने आया है, इसमें एक 36 वर्षीय युवक जहां एक तरफ गाड़ी में बैठे-बैठे बेहोश हो गए अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया। दूसरी तरफ 57 वर्षीय एक बुजुर्ग ऑटो से उतरे और फुटपाथ पर बैठे और वहीं गिर गए। दोनों मामलों में मृतकों के मुंह से झाग आ रहा था। जानकारों की माने तो यह सीवियर ही स्ट्रोक के लक्षण हैं। बता दें कि दोनों मृतकों का पोस्टमॉर्टम मंगलवार को किया गया। हालांकि इनकी मौत किस कारण से हुई यह रिपोर्ट आने के बाद ही तय हो पाएगा।

गाड़ी में बैठे-बैठे गिरे और मुंह से आया फैन: मृतक अजय प्रधान (36) नगर निगम में ठेकेदारी का काम करते हैं वह सोमवार दोपहर करीब 3 बजे गाड़ी में बैठे हुए थे, घटना के कुछ मिनट पहले उन्होंने अपनी पत्नी को कॉल किया और बताया कि वह खाना खाने ही जा रहे हैं। अत्याधिक गर्मी के कारण उनको हीट स्ट्रोक आया। उनके साथ काम करने वालों ने उन्हें जाकर देखा तो पता चला उनके पैर हिल रहे हैं और मुंह से फैन आ रहा है। तुंरत ही सभी ने उन्हें बैरागढ़ के सिविल अस्पताल लेकर गए, वहां से उन्हें रिफर किया गया फिर उन्हें चिरायु अस्पताल लेकर गए। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह द्वारका नगर में रहते थे उनके दो बच्चे हैं एक 6 साल की बेटी और 3 साल का बेटा भी है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि अभी कुछ कह पाना मुश्किल है शव को हमीदिया अस्पताल में पोस्टमार्ट्म के लिए भेजा गया है, रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

हो सकती है हीट स्ट्रोक की सीवियर कंडीशन

36 वर्षीय युवक के मामले में ऐसा प्रतीत होता है कि इसको झटका आया है यानी यह हीट स्ट्रोक की बहुत ही सीवियर कंडीशन होती, इसमें बॉडी बहुत ज्यादा डिहाइड्रेड हो जाती है और तब ऐसी सिचुएशन बनने की संभावना होती है। वहीं दूसरे मामले में कोई और भी कारण हो सकता है क्योंकि इस मामले में उनकी उम्र अधिक है, ऐसे में उनको शुगर या फिर कुछ भी होने की संभावना है। जनरली हीट स्ट्रोक में आम तौर पर मतली आना, या घबराहट होना आदि रहता है। सीवियर कंडीशन में झटके के साथ मुंह से झाग आता है। यह जानलेवा भी हो सकता है।

– डॉ. अभिषेक सिंघई, एसोसिएट प्रोफेसर मेडिसिन विभाग, एम्स

फुटपाथ पर बैठे-बैठे गिर गए बुजुर्ग: वहीं एक अन्य मामला भी सामने आया है, बजे धीरेंद्र कुमार (57) लालघाटी से अपने घर अशोका गार्डन आ रहे थे, वह बजरिया स्टेशन सड़क के पास एक फुटपाथ पर बैठे और गिर गए, इसको देख वहां मौजूद ऑटो चालकों ने तुरंत ही पुलिस को फोन किया, मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत ही उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार उनके मुंह से झाग आ रहा था। बजरिया थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की सूचना मिलते ही हम तुरंत मौके पर पहुंचे। उनके मुंह से झाग आ रहा था, उनके मृत घोषित होने के बाद उनका शव हमीदिया अस्पताल में पोस्ट मार्टम के लिए भेजा है। मौत के कारण रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा। वह कृषि यांत्रिकी विभाग में कार्यरत थे।

एक्ट्रेस वाणी कपूर, राशि खन्ना ने महाकाल के दर्शन किए

भस्म आरती में शामिल हुईं, शिव का जाप किया; नंदी हॉल से लिया आशीर्वाद

उज्जैन (नप्र)। बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर और साउथ की एक्ट्रेस राशि खन्ना ने मंगलवार को महाकाल के दर्शन किए। दोनों तड़के 3 बजे महाकाल मंदिर पहुंचीं। भस्म आरती में शामिल हुईं। नंदी हॉल में दो घंटे तक बैठकर महाकाल के दर्शन किए, शिव जाप करती रहीं। आरती के बाद गर्भगृह की देहरी से भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया।

सिंदूर, चंदन और आभूषणों से बाबा महाकाल का श्रृंगार: मंगलवार तड़के जल से भगवान महाकाल का अभिषेक करने के पश्चात दूध, दही, घी, शक्कर, शहद, फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया। सिंदूर, चंदन और आभूषणों से श्रृंगार के दौरान त्रिपुंड, चंद्र अर्पित कर भगवान महाकाल को भस्म चढ़ाई गई। महाकाल ने शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ सुगंधित पुष्प से बनी माला धारण की।